RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर। मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-10 अंक: 36 ता.31 जूलाई 2021, शनिवार कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो। 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

आयुष मंत्रालय ने कोरोना के इलाज में एनआइसीइ के निराधार दावे का जोरदार किया खंडन, बताया- निराधार और भ्रामक

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने गुरुवार को एनआइसीइ द्वारा विकसित कोविड-19 उपचार प्रोटोकॉल को कोई मंजूरी देने से इनकार किया और कहा कि नेटवर्क का दावा 'निराधार और भ्रामक' है। मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित नेटवर्क NICE (नेटवर्क ऑफ इम्प्लुएंजा केयर एक्सपर्ट्स) द्वारा कुछ भ्रामक दावे किए गए हैं और कुछ मीडिया प्लेटफॉर्म द्वारा प्रकाशित किए गए हैं। जिसमें कहा गया है कि मुख्य दावा कोरोना के उपचार के एक प्रोटोकॉल को विकसित करने के संबंध में है जिसे आयुष मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया है। दावेदार ने अनैतिक और भ्रामक रूप से आयुष मंत्रालय की मंजूरी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है।

एनआइसीइ ने तथाकथित प्रोटोकॉल के लिए कोई आवेदन जमा नहीं किया

सरकार द्वारा जारी बयान में कहा गया है, 'आयुष मंत्रालय एनआइसीइ के ऐसे सभी दावों का जोरदार खंडन करता है और संबंधित समाचारों के प्रकाशन को पूरी तरह से भ्रामक और निराधार मानता है।' आयुष मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एजेंसी एनआइसीइ ने तथाकथित प्रोटोकॉल के लिए कोई आवेदन जमा नहीं किया है। अगर एनआइसीइ द्वारा कोरोना के उपचार और प्रबंधन से संबंधित कोई प्रस्ताव मंत्रालय को प्रस्तुत किया जाता है, तो इसकी अंत:विषय तकनीकी समीक्षा समिति द्वारा पूरी तरह से जांच की जाएगी। मंत्रालय ने कहा, समिति के पास इस तरह के सत्यापन के लिए एक अच्छी तरह से स्थापित और कठोर वैज्ञानिक जांच प्रक्रिया है। इस समिति की मंजूरी के बिना आयुष स्ट्रीम से संबंधित कोई भी एजेंसी प्रोटोकॉल विकसित करने का दावा नहीं कर सकती है। मंत्रालय के बयान में कहा गया कि एनआइसीइ ने कोरोना के उपचार के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा अनुमोदित प्राकृतिक चिकित्सा-आधारित प्रोटोकॉल विकसित करने का दावा करते हुए एक बहुत ही अनैतिक, अवैध और निराधार कार्य किया है।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर 'खतरे के निशान' के करीब पहुंचा, बाढ़ का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर-पश्चिम भारत के कई राज्यों में हो रही झमाझम बारिश के चलते यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। दिल्ली प्रशासन ने शुक्रवार को राजधानी में यमुना का जलस्तर 205.22 मीटर तक पहुंच जाने पर 'अलर्ट' की घोषणा की, जो अनिश्चित रूप से 205.33 मीटर के 'खतरे के निशान' के करीब है।

अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली प्रशासन ने शुक्रवार को राजधानी में यमुना का जलस्तर 205.22 मीटर तक पहुंच जाने पर 'अलर्ट' जारी किया, जो अनिश्चित रूप से 205.33 मीटर के %खतरे के निशान% के करीब है, क्योंकि उत्तर पश्चिम भारत में बारिश जारी है। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग ने विभिन्न क्षेत्रों में 13 नावों को तैनात किया है और 21 अन्य को स्टैंडबाय पर रखा है।

हरियाणा के हथिनीकुंड बैराज से यमुना नदी में अधिक पानी छोड़ने के साथ, दिल्ली पुलिस और पूर्वी दिल्ली जिला प्रशासन ने राजधानी में यमुना के मैदानी इलाकों में रहने वाले लोगों को निकालना शुरू कर दिया है। एक अधिकारी ने कहा कि इन लोगों को यमुना पुश्ता इलाके में दिल्ली सरकार के शेल्टर होम में शिफ्ट किया जा रहा है।

पुराने रेलवे ब्रिज पर सुबह 8:30 बजे यमुना का जलस्तर 205.22 दर्ज किया गया, जो गुरुवार रात 8:30 बजे 203.74 मीटर था। अधिकारी ने कहा का जलस्तर सुबह छह बजे 205.10 मीटर और सुबह सात बजे 205.17 मीटर था। उन्होंने कहा कि इसके और बढ़ने की संभावना है

2019 में, प्रवाह दर 18-19 अगस्त को 8.28 लाख क्यूसेक तक पहुंच गई थी और यमुना का जलस्तर 205.33 मीटर के खतरे के निशान को पार करते हुए 206.60 मीटर के निशान पर पहुंच गया था। नदी के उफान पर पहुंचते ही कई निचले इलाकों के जलमग्न हो जाने के बाद दिल्ली सरकार को लोगों को वहां से निकालने और राहत कार्य शुरू करने पड़े।

यमुना के 204.50 मीटर के चेतावनी निशान को पार करने पर बाढ़ की चेतावनी घोषित की जाती है। जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने कहा कि स्थिति पर चौबीसों घंटे नजर रखी जा रही है।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली और ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश के कारण नदी उफान पर है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन दिल्ली-एनसीआर में मध्यम बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है।

दिल्ली बाढ़ नियंत्रण कक्ष के अनुसार, हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी की डिस्चार्ज दर मंगलवार दोपहर 1.60 लाख क्यूसेक तक पहुंच गई, जो इस साल अब तक की सबसे अधिक है। बैराज से छोड़े गए पानी को राजधानी पहुंचने में आमतौर पर दो-तीन दिन लगते हैं। हरियाणा यमुनानगर स्थित बैराज से सुबह आठ बजे 19,056 क्यूसेक के हिसाब से पानी छोड़ रहा था। गुरुवार रात 8 बजे पानी की प्रवाह दर 25,839 क्यूसेक थी। सामान्य तौर पर, हथिनीकुंड बैराज में प्रवाह दर 352 क्यूसेक होती है, लेकिन जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के बाद पानी छोड़ने की दर बढ़ जाती है। एक क्यूसेक 28.32 लीटर प्रति सेकेंड के बराबर होता है।

2019 में, प्रवाह दर 18-19 अगस्त को 8.28 लाख क्यूसेक तक पहुंच गई थी और यमुना का जलस्तर 205.33 मीटर के खतरे के निशान को पार करते हुए 206.60 मीटर के निशान पर पहुंच गया था। नदी के उफान पर पहुंचते ही कई निचले इलाकों के जलमग्न हो जाने के बाद दिल्ली सरकार को लोगों को वहां से निकालने और राहत कार्य शुरू करने पड़े।

वहीं, 1978 में यमुना नदी 207.49 मीटर के सर्वकालिक रिकॉर्ड जल स्तर तक पहुंच गई थी। 2013 में यह बढ़कर 207.32 मीटर हो गई थी।

बिहार में बड़ी वारदात, कटिहार के मेयर की गोली मारकर हत्या, सीने में दाग दी तीन गोलियां

कटिहार। बिहार में अपराधी लगातार पुलिस को चुनौती पेश कर रहे हैं। कटिहार में मेयर शिवराज पासवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गुरुवार की रात बाइक सवार हमलावरों ने काफी नजदीक से उनके सीने में गोलियां मारी है।

कटिहार के मेयर की हत्या-कटिहार के मेयर शिवराज पासवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है। फिलहाल घटना की वजहों के बारे में पता नहीं चल सका है। वारदात को उनके वार्ड संतोषी कॉलोनी में ही अंजाम दिया गया।

बाइक सवार हमलावरों ने मारा-वारदात के बारे में कहा जा रहा है कि बाइक से पहुंचे चार हमलावरों ने उनके पास आकर घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने ताबड़तोड़ कई गोलियां चलाई। इनमें तीन गोली उनके सीने में

लगी और वो लहुलूहान होकर गिर पड़े। इसके बाद हमलावर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया।

सीने में मारी गई तीन गोलियां-पूरे इलाके को सील कर चेकिंग शुरू कराई गई। पुलिस के बड़े अफसर भी मौके पर पहुंचे। घायल मेयर को तत्काल कटिहार मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां उनकी मौत हो गई। कहा जा रहा है कि सीने में तीन गोलियां लगने के कारण उन्हें नहीं बचाया जा सका। फिलहाल पुलिस कुछ कहने से बच रही है।

मंदिर से लौटते वक्त मर्डरडीएम उदयन मिश्रा ने मीडिया से कहा कि मंदिर से जाते समय उन पर हमला हुआ। उनको बॉडीगार्ड भी मिला था। घटना के वक्त वो उनके साथ नहीं था। मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद पूरे संतोषी चौक मोहल्ला और ड्राइवर टोला में कोहराम मच गया है। सैकड़ों की संख्या में लोग अस्पताल पहुंचे।

कोरोना महामारी के बीच महिलाओं को प्रचुर मात्रा में नहीं मिला पोषक तत्व

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के कारण पिछले साल हुए लॉकडाउन के कारण कृषि उत्पादों की आपूर्ति भी लड़खड़ाई। नतीजतन महिलाओं को प्रचुर मात्रा में पोषक तत्व नहीं मिला है। लॉकडाउन से महिलाओं का पोषण अधिक प्रभावित हुआ है। टाटा कॉर्नेल इंस्टीट्यूट फॉर एग्रीकल्चर एंड न्यूट्रिशियन (टीसीआई) नई दिल्ली ने अपने अध्ययन में पाया है कि महिलाओं के पोषण में कमी का कारण खाद्य पदार्थ जैसे मीट, अंडा, सब्जी, फल इत्यादि की खपत कम होने के कारण हुई है। विशेषज्ञों के अनुसार ये सभी खाद्य पदार्थ पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं लेकिन इनकी उपलब्धता न होने के कारण महिलाओं को ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा। इकोनॉमिया-पॉलिटिका जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार लॉकडाउन में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति और वितरण पर कोई प्रतिबंध नहीं था। इसके बावजूद 2019 की तुलना में खाद्य पदार्थों की आपूर्ति लड़खड़ाई है।

महामारी के कारण हालात अधिक खराब-टीसीआई की रिसर्च अर्थशास्त्री सौम्या गुप्ता बताती हैं कि कोरोना महामारी से पहले भी महिलाओं को पोषक तत्वों की कमी

से जूझना पड़ता था, लेकिन महामारी के कारण हालात अधिक खराब हो गए। शोध में शामिल टीसीआई के निदेशक प्रभु पिंगाली, सहायक निदेशक मैथ्यू अब्रामहम और कंसलटेंट पायल सेठ ने उत्तर प्रदेश, बिहार और ओडिशा में राज्य और जिला स्तरीय पर अध्ययन के बाद ये दावा किया है।

आंगनबाड़ी केंद्रों के बंद होने से मुश्किल-शोधकर्ताओं की टीम ने 155 घरों का सर्वेक्षण किया। इसमें पता चला कि लॉकडाउन के कारण 72 फीसदी घरेलू महिलाओं का आंगनबाड़ी से संपर्क टूट गया। साथ ही लॉकडाउन के दौरान खाद्य पदार्थों की बढ़ी कीमत भी महिलाओं के स्वास्थ्य पर भारी पड़ी है। अध्ययन में शामिला 90 फीसदी महिलाओं ने बताया कि उन्होंने कम खाना खाया वहीं 95 फीसदी ने बताया कि उन्हें बहुत कम प्रकार के खाद्य पदार्थ मिले।

लॉकडाउन में पतली दाल खाना मजबूरी थी-सौम्या गुप्ता बताती हैं कि पोषक खाद्य पदार्थों की उपलब्धता न होने से महिलाओं के साथ उनके छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ा है। महिलाओं ने बताया कि लॉकडाउन में उन्होंने पतली दान बनानी शुरू की या दाल खाना कम कर दिया। फल और अन्य विटामिन-ए युक्त पदार्थों को खाने में भी 42 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। पोषक तत्वों की कमी छोटे बच्चों के लिए कुपोषण का कारण बन सकती है।

हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

शादी का वादा कर सहमति से संबंध बनाए तो पुरुष दुष्कर्म का पूर्ण दोषी नहीं

चंडीगढ़। शादी का वादा करने के बाद अगर विवाहित महिला की सहमति से संबंध बने हैं तो ऐसे में पुरुष को पूर्ण रूप से दोषी नहीं कहा जा सकता है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी को जमानत देते हुए यह अहम टिप्पणी की है। हालांकि ट्रायल कोर्ट को इन टिप्पणियों पर गौर किए बगैर ट्रायल पूरा करने की सलाह दी है। याचिका दाखिल करते हुए आरोपी ने बताया कि उस पर महिला ने 17 मार्च को कुरुक्षेत्र में दुष्कर्म और एससी/एसटी एक्ट का मामला दर्ज करवाया था। हाईकोर्ट ने याची व सरकार की दलीलों को सुनने के बाद कहा कि एफआईआर देखने से स्पष्ट होता है कि महिला से जबरन संबंध नहीं बनाए गए थे। आरोप के अनुसार महिला के पति के साथ संबंध सही नहीं थे। इस बीच याची ने उससे शादी का वादा किया और संबंध बनाए। हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में शादी का वादा हुआ और किसी कारण से शादी नहीं हो पाई, जिस कारण यह मामला सहमति संबंध का है। साथ ही महिला अभी विवाहित है और उसका पति से तलाक नहीं हुआ है तो वैसे भी अभी वह आरोपी से विवाह नहीं कर सकती है। ऐसे में आरोप पूर्ण रूप से साबित हो भी

जाते हैं तो उसे पुरुष पूर्ण रूप से दोषी नहीं माना जा सकता है। हाईकोर्ट ने कहा कि एससी/एसटी एक्ट लगाते हुए ऐसा कोई जिक्र नहीं किया गया, जिससे यह साबित होता हो कि जाति के कारण शिकायतकर्ता का अपमान हुआ हो या उसे पीड़ित किया गया हो।

एक व्यक्ति ले सकेगा दो अलग-अलग वैक्सीन की खुराक, केंद ने परीक्षण को दी मंजूरी

नई दिल्ली। कोरोना टीकाकरण में मिश्रित खुराक को शामिल करने के लिए सरकार ने वैज्ञानिक अध्ययन की अनुमति दे दी है। इसके साथ ही अब जल्द ही एक व्यक्ति को दो अलग-अलग वैक्सीन की खुराक मिल सकेंगीं क्योंकि अब तक सामने आए अन्य चिकित्सीय अध्ययनों में काफी सकारात्मक परिणाम देखने को मिल चुके हैं।

बृहस्पतिवार को देर रात तक चली विशेषज्ञ कार्य समिति (एसईसी) की बैठक में कोविशील्ड और कोवाक्सिन, इनके अलावा नाक से दी जाने वाली भारत बायोटेक की वैक्सीन और सीरिंज से दी जाने वाली कोवाक्सिन की मिश्रित खुराक पर अध्ययन की अनुमति दी गई है। जल्द ही देश भर के अस्पतालों में यह अध्ययन शुरू होगा।

समिति के सदस्य ने कहा कि कोविशील्ड और कोवाक्सिन की मिश्रित खुराक देने से कोई प्रतिकूल असर सामने नहीं आया है। उत्तर प्रदेश की घटना में भी ऐसा कोई मामला बाद में नहीं मिला था।

कोविशील्ड और कोवाक्सिन की मिश्रित खुराक का परीक्षण

समिति के एक वरिष्ठ सदस्य ने बताया कि एक ही व्यक्ति को दो अलग-अलग वैक्सीन अब तक कई देशों में दी जा रही है। भारत में पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में ऐसी घटना सामने आई थी जिसे लापरवाही माना जाएगा क्योंकि टीकाकरण कार्यक्रम में अभी हमने मिश्रित खुराक को शामिल नहीं किया है। उन्होंने बताया कि सीएमसी वैल्लोर के विशेषज्ञों से मिश्रित खुराक को लेकर प्रस्ताव भी मिला। फिलहाल इस पर अध्ययन की अनुमति दी गई है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि आने वाले दिनों में अध्ययन के बेहतर परिणाम मिलने के बाद इसे टीकाकरण में शामिल कर लिया जाएगा। एक सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया में अभी कम से कम तीन से चार महीने का समय लग सकता है।

समिति के सदस्य ने कहा कि कोविशील्ड और कोवाक्सिन की मिश्रित खुराक देने से कोई प्रतिकूल असर सामने नहीं आया है। उत्तर प्रदेश की घटना में भी ऐसा कोई मामला बाद में नहीं मिला था। इसलिए यह पूरी संभावना है कि वैज्ञानिक अध्ययन में कोरोना वायरस और एडिनो वायरस से बनीं दो अलग-अलग वैक्सीन एक शरीर में जाकर समान असर दिखाएंगीं। उन्होंने यह भी बताया कि वैल्लोर स्थित क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों ने कोवाक्सिन और कोविशील्ड की मिश्रित खुराक पर अध्ययन करने की अनुमति मांगी है। इस दौरान नाक से दी जाने वाली वैक्सीन को भी शामिल किया जाएगा क्योंकि यह बच्चों के टीकाकरण में तेजी ला सकती है। अभी इस वैक्सीन पर पहले चरण का परीक्षण चल रहा है।

अब आसमान से हमले की फिराक में पाक, जम्मू में रात के अंधेरे में 3 जगहों पर देखे गए ड्रोन, BSF ने की फायरिंग

श्रीनगर। जमीन पर भारतीय सुरक्षाबलों से मुंह की खाने के बाद अब पाकिस्तान आसमान के जरिए आतंक फैलाने की साजिशें रच रहा है। एक बार फिर से पाकिस्तान ने भारत में ड्रोन से निगेहबानी की नापाक हरकत की है। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में रात के अंधेरे में तीन अलग-अलग स्थानों पर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन मंडराते देखे गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। हालांकि, सुरक्षाबलों की ओर से फायरिंग के बाद ये ड्रोन गायब हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि ये ड्रोन गुरुवार की रात करीब साढ़े आठ बजे बारी-ब्राह्मण, चिलाद्या और गगवाल इलाकों में एक ही समय पर देखे गए। ये ड्रोन ऐसे समय देखे गए हैं जब करीब एक हफ्ते पहले पुलिस ने यहां पास के सीमावर्ती कनचक इलाके में पांच किलोग्राम आईईडी सामग्री ले जा रहे एक पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराया था।

अधिकारियों ने कहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पाकिस्तान की ओर लौट रहे एक ड्रोन पर चिलाद्या में कुछ गोलियां चलायीं। अधिकारियों ने कहा कि अन्य दो ड्रोन बारी ब्राह्मणा और गगवाल में जम्मू-पठानकोट राजमार्ग पर संवेदनशील सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर मंडराने के तुरंत बाद

आसमान से गायब हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस अन्य सुरक्षा बलों के साथ घटनास्थल पर गहन तलाशी के लिए रवाना हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। बता दें कि जम्मू-कश्मीर पुलिस ने 23 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय सीम के पास जम्मू के कनाचक इलाके में एक ड्रोन गिराया था। यह ड्रोन पाकिस्तान से भारत की सीमा में आया था।

इससे पहले बीते महीने जम्मू एयरफोर्स स्टेशन के पास ड्रोन से विस्फोट हुआ था। इसमें पाकिस्तानी आतंकी संगठनों का हाथ बताया गया था। हालांकि, यह विस्फोट तेज नहीं था और इसमें कुछ जवान घायल हुए थे। हालांकि, अब भारत ने इसका मुंहतोड़ जवाब देने का रास्ता निकाल लिया है। देश में ड्रोन हमलों के बढ़ते खतरे के मद्देनजर रक्षा मंत्रालय विदेशों से एंटी ड्रोन तकनीक खरीदने के साथ-साथ देश में निर्मित तकनीक को भी लेने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। सूत्रों का कहना है कि जल्द ही इस संदर्भ में डीआरडीओ की तकनीक की खरीद के लिए रक्षा अधिग्रहण परिषद को प्रस्ताव भेजा जा सकता है। बता दें कि डीआरडीओ ने एंटी ड्रोन तकनीक विकसित की है, जिसका कई मौकों पर वीआईपी सुरक्षा में इस्तेमाल भी किया जा चुका है।

सार समाचार

यूपी सरकार का दावा कोरोना काल में 15 करोड़ लोगों को मिला 10 करोड़ क्विंटल फ्री राशन

लखनऊ। कोरोना की वैश्विक महामारी में केंद्र सरकार की ओर से 15 करोड़ लोगों को 11 महीने और राज्य सरकार की ओर से पांच महीने राशन फ्री दिया गया है। अब तक केंद्र और राज्य सरकार की ओर से करीब 10 करोड़ क्विंटल राशन लोगों को फ्री दिया गया है। यह सिलसिला अभी नवंबर तक और चलने वाला है। ई-पास मशीनों से राशन वितरण कराने के कारण राज्य सरकार को इस साल मई तक करीब 3263 करोड़ से अधिक की सब्सिडी की बचत हुई है। यूपी सरकार की ओर से मिली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार की ओर से प्रधानमंत्री गरीब अन्न कल्याण योजना के तहत नवम्बर तक और राज्य सरकार की ओर से अगस्त तक मुफ्त राशन दिया जा रहा है। 25 करोड़ की आबादी वाले राज्य यूपी के 14.81 करोड़ लाभार्थियों को हर माह निशुल्क राशन दिया जा रहा है। फिलहाल, केंद्र सरकार की ओर से पिछले साल अप्रैल, मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर, अक्तूबर, नवंबर और इस साल मई, जून और जुलाई तक करीब नौ करोड़ 99 लाख 97 हजार 815 कुंतल निशुल्क राशन दिया गया है। कोरोना काल में राज्य में किसी को राशन के लिए परेशान न होना पड़े, इसलिए राज्य सरकार की ओर से भी पिछले साल अप्रैल, मई, जून और इस साल जून, जुलाई में 23 लाख 60 हजार 402 क्विंटल राशन निशुल्क दिया गया है। वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना के तहत प्रदेश में नेशनल पोर्टेबिलिटी की सुविधा पिछले साल जून से लागू है, जिसके तहत प्रदेश के 43,572 कार्डधारकों द्वारा अन्य राज्यों से और अन्य राज्यों के 6616 कार्डधारकों द्वारा यूपी में राशन लिया गया है। केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से 16 महीने तक प्रति यूनिट पांच किलो राशन दिया गया है, यानि एक व्यक्ति को 80 किलो राशन अभी तक दिया जा चुका गया है। इसके अलावा खाद्य एवं रसद विभाग की ओर से प्रदेश के 8137 से अधिक असहाय लोगों को उनके घर पर ही राशन दिया गया है।

महाराष्ट्र: बच्चों की अश्लील फिल्मों के निर्माण और प्रसार के लिए 18 माह में 105 लोग गिरफ्तार

नागपुर। महाराष्ट्र पुलिस ने बच्चों की अश्लील फिल्मों का निर्माण करने और इंटरनेट पर उन्हें प्रसारित करने के सिलसिले में पिछले 18 महीनों में 105 लोगों को गिरफ्तार किया है और 213 मामले दर्ज किए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। महाराष्ट्र साइबर के पुलिस अधीक्षक संजय शिन्त्रे ने बताया कि ये मामले पिछले 18 महीनों में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा साझा 'टिपलाइन रिपोर्ट' के आधार पर दर्ज किए गए। बाल पोर्नोग्राफी की 'टिपलाइन रिपोर्टें' अमेरिका स्थित राष्ट्रीय गुमशुदा एवं शोषित बच्चों के केंद्र (एनसीएमईसी) द्वारा वेबसाइटों, सर्च इंजनों और सोशल मीडिया मंचों की निगरानी के बाद तैयार की जाती है। यह बताया गया था कि एनसीएमईसी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) की मदद से नियमित रूप से भारत के एनसीआरबी के साथ रिपोर्ट साझा करता है, जो इसे सभी राज्यों की साइबर पुलिस के साथ साझा करता है। रिपोर्टों में उन आईपी एड्रेस एवं स्थानों की जानकारी होती है जहां अश्लील सामग्रियों का उपयोग किया जाता है और इसके आधार पर फिर साइबर पुलिस आरोपियों का पता लगाती है। पुलिस के अनुसार, महाराष्ट्र साइबर ने राज्य में बाल पोर्नोग्राफी पर नकेल कसने के लिए 2019-20 में 'ऑपरेशन ब्लैकफेस' शुरू किया था। 11,122 टिपलाइन रिपोर्ट में से, सबसे अधिक 5,699 रिपोर्ट पुणे को भेजी गई, उसके बाद 4,496 मुंबई, 364 ठाणे, 302 नागपुर और 90 औरंगाबाद तथा अन्य को भेजी गई।

इंदौर में चार लोगों की मौत के पीछे एक ही ब्रांड की नकली व्हिस्की का हाथ होने का संदेह

इंदौर (मध्य प्रदेश)। पुलिस ने शुक्रवार को बड़ा खुलासा किया कि इंदौर में अलग-अलग घटनाक्रमों में शराब पीने के बाद दम तोड़ने वाले चार लोगों ने एक ही ब्रांड की व्हिस्की का सेवन किया था। पुलिस इस व्हिस्की के नकली और जीवन के लिए हानिकारक होने के संदेह को लेकर विस्तृत जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक महेशचंद्र जैन ने संवाददाता सम्मेलन में बताया, हमारी जांच से पता चला है कि शहर के दो बार में व्हिस्की के एक ही ब्रांड की शराब पीने के बाद हफ्ते भर के भीतर चार लोगों की मौत हो गई। इससे प्रबल संदेह है कि इन लोगों ने जो शराब पी, वह नकली और जीवन के लिए हानिकारक थी।

आगरा जेल में बंद विधायक विजय मिश्र की दुष्कर्म मामले में अदालत में पेशी

भदोही (उत्तर प्रदेश)। भदोही जिले के ज्ञानपुर क्षेत्र से निषाद पार्टी के विधायक विजय मिश्र को शुक्रवार को सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आगरा जेल से कड़ी सुरक्षा के बीच यहां मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। मिश्र 14 अगस्त, 2020 से ही कई आपराधिक मामलों में आगरा के जेल में बंद हैं। पुलिस अधीक्षक राम बदन सिंह ने बताया कि जेल में बंद विजय मिश्रा को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सबीहा खातून ने सामूहिक बलात्कार के मामले में व्यक्तिगत रूप से तलब किया था। उन्होंने बताया विजय मिश्रा को आज अदालत में पेश किया गया जिसमें मजिस्ट्रेट ने इस मामले में अगली तारीख 12 अगस्त निर्धारित की है। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक विजय मिश्रा सहित उनके बेटे विष्णु मिश्रा और एक अन्य करीबी विकास मिश्रा पर वाराणसी की 25 साल की गायिका ने पिछले साल 18 अक्टूबर को मामला दर्ज कराया जिसमें उसने आरोप लगाया कि साल 2014 से 2016 के बीच विजय मिश्रा ने उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया और विकास तथा विष्णु ने भी एक बार घर छोड़ने से पहले उसके साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में आज विजय मिश्रा को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया और इसके बाद उनको कड़ी सुरक्षा में वापस आगरा जेल रवाना कर दिया गया है।

'लोकतंत्र बचाओ देश बचाओ' नारे के साथ बोलीं ममता बनर्जी, हर दो महीने में आती रहूंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इन दिनों दिल्ली दौरे पर हैं। इसी बीच उन्होंने नया नारा दिया है। ममता बनर्जी ने कहा कि लोकतंत्र चलते रहना चाहिए। हमारा नारा है- लोकतंत्र बचाओ देश बचाओ। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ममता बनर्जी दिल्ली के दौरे के आखिरी दिन शुक्रवार को एनसीपी चीफ शरद पवार से मुलाकात करने वाली थीं लेकिन उनकी मुलाकात नहीं हो पाई है। हालांकि उन्होंने इस संबंध में जानकारी दी है।

समाचार एजेंसी के मुताबिक ममता बनर्जी ने बताया कि मैंने शरद पवार से बात की है। यह दौरा सफल रहा। हम राजनीतिक मकसद से मिले थे। लोकतंत्र चलता रहना चाहिए। हमारा नारा है लोकतंत्र बचाओ देश बचाओ। हम किसानों के मुद्दों का भी समर्थन करते हैं। हम अब हर 2 महीने में यहां आते रहेंगे।

विपक्षी एकजुटता की कोशिशों में जुटी ममता बनर्जी के 5 दिवसीय दिल्ली दौरे का आज आखिरी दिन है। उन्होंने तृणमूल सांसद अभिषेक बनर्जी के आवास निकलते वक्त यह बात कही। आपको बता दें कि ममता बनर्जी ने कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कमलनाथ, आनंद शर्मा, अभिषेक मनु सिंघवी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, गीतकार जावेद अख्तर, अभिनेत्री शबाना आजमी समेत कई नेताओं से मुलाकात की।

ममता बनर्जी ने कोरोना वैक्सीन और बंगाल का नाम बदलने के विषय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके अलावा अपने दिल्ली दौरे के दौरान सड़क परियोजनाओं के विषय पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से ममता मिली थीं।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा, बाढ़ से होने वाली मुश्किलों का एकमात्र हल है पुनर्वास

पुणे/मुंबई (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को कहा कि बाढ़ की मुश्किलों का एकमात्र हल प्रभावित लोगों का पुनर्वास है और राज्य सरकार इस मोर्चे पर हरसंभव सहायता देगी। ठाकरे ने बाढ़ प्रभावित लोगों से अपने पुनर्वास के बारे में मिल-बैठकर फैसला करने की अपील की साथ ही ऐसे गांवों से इस संबंध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करने का आग्रह किया। कोल्हापुर जिले में मूसलाधार वर्षा और बाढ़ से हुए नुकसान का जायजा लेने पहुंचे ठाकरे ने कहा कि उनकी सरकार राज्य में बाढ़ संभावित गांवों की समस्याओं का स्थायी हल ढूंढने की इच्छुक है।

शिरोली तहसील के एक गांव में अस्थायी शिविरों में रह रहे बाढ़ प्रभावितों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि पूरा गांव पुनर्वास के लिए तैयार है तो राज्य सरकार उन्हें इस प्रक्रिया में जरूरी सभी मदद देगी। उन्होंने ग्रामीणों से कहा, ''पुनर्वास ही बाढ़ से उत्पन्न होने वाली परेशानियों का एकमात्र हल है। आप (बाढ़ प्रभावित गांवों के) सभी लोग मिल-बैठकर (पुनर्वास के बारे में) फैसला कीजिए और हम मदद करेंगे।'' नरसिंहवादी में ग्रामीणों ने ठाकरे से 2019 की बाढ, पिछले सप्ताह की बाढ़ और कोविड महामारी के बारे में जिक्र किया और कहा कि पिछले तीन सालों में इन चीजों ने उनकी जिंदगी तबाह कर दी है और उन्हें अपनी जिंदगी पटरी पर लाने के लिए सहायता चाहिए।

दो खेमों में बंटी राजस्थान सरकार, बन गया है कुशासन का प्रतीक: अर्जुन राम मेघवाल

जयपुर (एजेंसी)।

राजस्थान कांग्रेस में खींचतान लगातार जारी है। यही कारण है कि सरकार को लेकर भी तरह-तरह के बातें कही जा रही है। इन सबके बीच भाजपा ने भी राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और सचिन पायलट के बीच चल रहे विवाद पर तंज कसा है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने तो राजस्थान सरकार को कुशासन का प्रतीक बता दिया है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि राजस्थान सरकार दो खेमों में बटी हुई है। वहां की खेमेबाजी से जनता परेशान हो गई है और वहां की कानून व्यवस्था बिगड़ गई है, दलित और महिलाओं पर अत्याचार बढ़ा गया है। राजस्थान सरकार कुशासन का प्रतीक बन गया है।

आपको बता दें कि राजस्थान कांग्रेस में जारी उठापटक के बीच सचिन पायलट दिल्ली में हैं। उन्होंने दिल्ली में प्रियंका गांधी और केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की है। वही राजस्थान के प्रभारी अजय माकन राज्य के दौरे पर हैं। माना जा रहा है कि वह तमाम विधायकों से एक-एक कर बात करेंगे और इसके बाद आलाकमान को अपनी रिपोर्ट सौंपेंगे।

एम्बुलेंस की अनुपलब्धता से अगर मृत्यु की सूचना मिली तो दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)।

यूपी में मरीजों और तीमारदारों को मुसीबतों का सामना न करना पड़े इसके लिए सीएम योगी ने शुक्रवार को प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को एम्बुलेंस संचालन की व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने के आदेश दिए हैं।

प्रदेश के सभी जनपदों में मरीजों को समय से एंबुलेंस की सेवा मिले, इसके लिए मुख्यमंत्री ने एम्बुलेंस की उपलब्धता को सुनिश्चित करने के आदेश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी हाल में मरीजों और उनके परिजन का उत्पीड़न न हो इस बात का ध्यान रखा जाए। मुख्यमंत्री ने बैठक में निर्देश देते हुए कहा कि एम्बुलेंस की अनुपलब्धता के कारण अगर किसी की असमय मृत्यु की दुःखद घटना की सूचना मिली, तो दोषियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी।

ज्ञात हो कि प्रदेश के नौ जिलों में बीते 24 घंटों में कोरोना का एक भी एक्टिव केस नहीं मिला वहीं, अब एक्टिव कोविड केस की संख्या 729 ही रह गई है। जो दूसरे प्रदेशों के मुकाबले काफी कम है। रोजना ढाई लाख से तीन लाख टेस्ट करने वाले यूपी में नए केस की संख्या में हर दिन गिरावट दर्ज की जा रही है। जनपद अलीगढ़, अमरोहा, बस्ती, एटा, हाथरस, कासगंज, कौशांबी, महोबा और श्रावस्ती में अब कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है। यह जनपद आज कोविड संक्रमण से मुक्त हैं।

सर्वाधिक कोविड टेस्टिंग करने वाले राज्य यूपी में अब तक 06 करोड़ 52 लाख से अधिक कोविड सैम्पल की जांच की जा चुकी है। बीते 24 घंटों में 02 लाख 44 हजार से अधिक की गई जांचों में महज 42 नए मरीजों की पुष्टि हुई। इस दौरान 91 लोगों ने कोरोना को मात दी है। बता दें कि किसी भी जिले में दोहरे अंक में नए केस की पुष्टि नहीं हुई। वहीं, 55 जिलों में संक्रमण का एक भी नया केस नहीं मिला। केवल 20 जनपदों में ही इकाई अंक में मरीजों की पुष्टि हुई है। पॉजिटिविटी रेट 0.01 फीसदी व रिकवरी रेट 98.6 फीसदी दर्ज किया गया है। कानपुर में बीते दिन संक्रमित पाए गए 22 लोगों की गहन कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग की गई। इनके परिजनों समेत संपर्क में आए लगभग 1,400 लोगों की कोविड टेस्टिंग कराई गई, जिसमें एक भी पॉजिटिव मरीज की पुष्टि नहीं हुई। ट्रिपल टी, टीकाकरण और ठोस निर्णयों के चलते प्रदेश में कोविड संक्रमण की रफ्तार थम गई है। प्रदेश में टीकाकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। अब तक प्रदेश में 04 करोड़ 71 लाख से अधिक कोविड वैक्सीन की डोज दी जा चुकी है। प्रदेश के 03 करोड़ 94 लाख से अधिक लोगों ने कम से कम कोविड की एक खुराक ले ली है।

भारत और रूस के रिश्ते होंगे और मजबूत, दोनों देशों ने बाल्टिक सागर में किया युद्ध अभ्यास

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत और रूस ने बाल्टिक सागर में दो दिवसीय नौसैनिक युद्धाभ्यास किया जिसमें समुद्री संचालन के क्षेत्र में कई जटिल अभ्यास और व्यापक गतिविधियां की गयीं। भारतीय नौसेना ने 28-29 जुलाई को इंद्र अभ्यास के 12वें संस्करण को द्विपक्षीय नौसैनिक सहयोग मजबूत करने में ''मील का पत्थर'' बताया। उसने कहा कि इस अभ्यास से दोनों देशों के बीच मित्रता का दीर्घकालीन संबंध और मजबूत हुआ है।

भारतीय नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने कहा, ''2003 में शुरू हुआ इंद्र अभ्यास दोनों नौसेनाओं के बीच सामरिक संबंधों की गहरायी का प्रतीक है।'' उन्होंने कहा कि रूसी नौसेना के 325वीं नौसैन्य दिवस के समारोहों में भाग लेने के लिए भारतीय युद्धपोत आईएनएस तबर के सेंट पीटरबर्ग की यात्रा करने के तौर पर यह अभ्यास किया गया। कमांडर मधवाल ने कहा, ''इस अभ्यास में बेड़े के संचालन के विभिन्न पहलुओं जैसे कि हवा रोधी गोलीबारी, हेलीकॉप्टर अभियान, बोर्डिंग अभ्यास और नाविक विकास का प्रदर्शन किया गया।'' उन्होंने कहा, ''यह अभ्यास दोनों नौसेनाओं के बीच सहयोग मजबूत करने तथा दोनों देशों के बीच मित्रता का दीर्घकालीन संबंध मजबूत करने में एक और मील का पत्थर है।

चिकित्सा पाठ्यक्रमों में आरक्षण देर से और चुनावी राजनीतिक स्वार्थ के लिए लिया गया फैसला: मायावती

लखनऊ। (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने एमबीबीएस एवं दंत चिकित्सा पाठ्यक्रमों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से कमजोर तबके (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण का प्रावधान किये जाने के केंद्र सरकार के फैसले पर शुक्रवार को निशाना साधते हुए कहा कि यह चुनावी राजनीतिक स्वार्थ के लिए लिया गया फैसला लगता है। केंद्र ने अखिल भारतीय आरक्षण योजना के अंतर्गत मौजूदा शैक्षणिक सत्र 2021-22 से स्नातक एवं स्नातकोत्तर चिकित्सा एवं दंत पाठ्यक्रमों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27 प्रतिशत और आर्थिक रूप से कमजोर तबके (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की बृहस्पतिवार को घोषणा की।

इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए बसपा प्रमुख ने ट्वीट किया देश में सरकारी मेडिकल कॉलेजों की अखिल भारतीय स्नातक एवं स्नातकोत्तर सीटों में ओबीसी आरक्षण की घोषणा काफी देर से उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार अगर यह फैसला पहले ही समय से ले लेती तो इन वर्गों को अब तक काफी लाभ हो जाता, किन्तु अब लोगों को यह चुनावी राजनीतिक स्वार्थ हेतु लिया गया फैसला लगता है।

मायावती ने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, वैसे बसपा बहुत पहले से सरकारी नौकरियों में एससी, एसटी और ओबीसी कोटा के बैकलॉग पदों को भरने की मांग लगातार करती रही है, किंतु केंद्र व उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की भी सरकारें इन वर्गों के वास्तविक हित एवं कल्याण के प्रति लगातार उदासीन बनी हुई हैं, जो बहुत दुखद है।

बोम्मई को मंत्रिमंडल चयन को लेकर पूरी स्वतंत्रता, मैं हस्तक्षेप नहीं करूंगा: येदियुरप्पा

चामराजनगर (कर्नाटक)। (एजेंसी)।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा ने शुक्रवार को दोहराया कि वह नए मंत्रिमंडल में मंत्रियों के चयन को लेकर हस्तक्षेप नहीं करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के वरिष्ठ नेता ने कहा कि वह पार्टी को मजबूत करने का काम जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि नए मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, पार्टी नेतृत्व के साथ बातचीत के जरिये अपनी टीम को चुनने के लिए स्वतंत्र हैं। येदियुरप्पा जिले में अपने एक प्रशंसक के परिजनों से मिलने आए थे जिसने उनके मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से आहत होकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

येदियुरप्पा ने मृतक के परिजनों को पांच लाख रुपये दिए। उन्होंने कहा, ÷बोम्मई आज दिल्ली में हैं, कुछ दिनों में वह केंद्रीय नेताओं से मंत्रिमंडल पर चर्चा कर इसका स्वरूप तय करेंगे, किसे मंत्री बनाना है और किसे नहीं मैं इसे लेकर हस्तक्षेप नहीं करूंगा। बोम्मई पूरी तरह स्वतंत्र हैं, वह चर्चा करेंगे और अपने मंत्रियों का चयन करेंगे... मैं इस पर कोई सुझाव नहीं दूंगा।÷ उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि नए मुख्यमंत्री को उनकी यही सलाह है कि वह अच्छा काम करें। येदियुरप्पा ने कहा कि बोम्मई ने पहले ही घोषणा कर दी है कि वह गरीबों और वंचितों की मदद करेंगे।

कांग्रेस-जनता दल (एस) गठबंधन को छोड़कर 2019 में भाजपा में शामिल होकर सरकार बनाने में सहायता करने वाले विधायकों को मंत्रीपद दिए जाने के बाबत पूछे गए सवाल के जवाब में 78 वर्षीय नेता ने कहा कि इस पर बोम्मई निर्णय लेंगे। इस बीच मंत्रीपद पाने की आस लगाए नेताओं ने मंत्रिमंडल में जगह पाने के लिए लॉबिंग जारी रखी है। येदियुरप्पा ने कहा कि वह अगले चुनाव में पार्टी को 130-135 सीटें दिलाने का लक्ष्य लेकर आने वाले दिनों में राज्य भर में यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा को इसका आश्वासन दिया है।

उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी (10 सितंबर) के बाद वह हर सप्ताह एक जिले में जाएंगे और संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ताओं की बैठक करेंगे। येदियुरप्पा, गुन्डलूपेट तालुका के बोम्मलपुरा में अपने प्रशंसक राजप्पा (रवि) के परिजनों से मिले जिसने मुख्यमंत्री पद से उनके इस्तीफा देने से आहत होकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। येदियुरप्पा ने कहा, ÷उसके इस कदम से मुझे अत्यंत पीड़ा हुई है, यह नहीं होना चाहिए था। उसकी मां और दो बहने हैं और उसने शादी नहीं की थी। उसके परिवार की देखभाल करना मेरी जिम्मेदारी है इसलिए मैंने उसकी मां को पांच लाख रुपये दिए हैं। उसके बैंक खाते में पांच लाख और डाल दूंगा ताकि उस पर ब्याज मिलता रहे। उनके लिए और जो भी कर सकता हूं, करूंगा।

सार समाचार

यूनान में शरणार्थियों को ले जा रही नौका डूबी; तीन लापता, 10 को बचाया गया

एथेंस। तुर्की के साथ लगी यूनान की समुद्री सीमा पर लेसबोस द्वीप के पास शरणार्थियों को ले जा रही एक नौका डूब जाने के बाद वहां तलाश एवं बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूनान के तटरक्षक ने बताया कि 10 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया है और अन्य तीन लापता हैं। तटरक्षक ने कहा कि बल की दो गश्त नौकाओं, यूरोपीय सीमा एजेंसी फ्रंटेक्स से एक पोत, एक हेलिकॉप्टर और दो विमानों के साथ ही पास की एक नौका को तलाश अभियान में शामिल किया गया है। तुर्की के तटरक्षक को भी घटना की सूचना दे दी गई है। यूनानी तटरक्षक के मुताबिक, हवा वाली नाव तुर्की के जलक्षेत्र में डूब गई मालूम होती है जहां शुरुआत में केवल एक जीवित व्यक्ति यूनान जलक्षेत्र में तैरता हुआ मिला और अधिकारियों ने उसे निकाला। उन्होंने बताया कि बाद में फिर नौ अन्य लोगों को भी बचाया गया। जीवित बचे लोगों ने अधिकारियों को बताया कि नौका पर कुल 13 लोग थे जब वह डूबी थी। उनकी नागरिकता के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। यूनान मध्य एशिया, अफ्रीका और एशिया में वर्षों से जारी संघर्षों एवं गरीबी के कारण भाग कर यूरोपीय संघ आने वाले लोगों के लिए सबसे लोकप्रिय प्रवेश मार्ग है।

फिलिस्तीन ने वेस्ट बैंक में 2 फिलिस्तीनियों की इजरायल द्वारा की गई हत्या की निंदा की

रमल्लाह। फिलिस्तीन के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि फिलिस्तीन ने वेस्ट बैंक में इजरायली सैनिकों द्वारा एक बच्चे सहित दो लोगों की हत्या की निंदा की है। समाचार एजेंसी ने गुरुवार को जारी बयान के हवाले से कहा कि यह सैनिकों के लिए कोई खतरा पैदा किए बिना वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के खिलाफ अंतहीन इजरायली अपराधों की निंदा करता है। बयान में मंगलवार को उत्तरी वेस्ट बैंक के बीता गांव के पास एक 41 वर्षीय फिलिस्तीनी की हत्या और बुधवार को दक्षिणी वेस्ट बैंक शहर हेब्रोन के पास एक 11 वर्षीय लड़के की हत्या का उल्लेख किया गया है। बयान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इसराइल को अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का तुरंत पालन करने के लिए मजबूर करने के साथ-साथ वेस्ट बैंक और गाजा में फिलिस्तीनी लोगों के लिए अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा प्रदान करने के लिए आवश्यक उपाय करने का आह्वान किया गया। इसने अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय से फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ (इजरायल) कब्जे के उल्लंघन और अपराधों में तुरंत अपनी जांच शुरू करने का आह्वान किया। सोमवार को फिलीस्तीनी प्रधानमंत्री मोहम्मद इश्तये ने एक बयान में कहा कि हाल के दिनों में वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों पर इजरायली सैनिकों और बसने वालों के हमले बढ़े हैं।

अफगान सुरक्षा बलों ने 24 घंटे में 100 आतंकवादियों को मार गिरायों

काबुल। अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों द्वारा देश भर में केवल 24 घंटों में किए गए कई हमलों में कम से कम 100 तालिबानी आतंकवादी मारे गए और लगभग 90 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की। समाचार एजेंसी ने स्थानीय सरकार के सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा है कि हेरात प्रांत में, स्थानीय सार्वजनिक विद्रोह बलों द्वारा समर्थित सुरक्षा कर्मियों ने प्रांतीय राजधानी हेरात शहर और पड़ोसी जिलों गुजरा, कारुख और सेयावोशन पर आतंकवादी समूह के हमलों का जवाब दिया, जिसमें 52 तालिबान आतंकवादी मारे गए और 47 घायल हो गए। सूत्रों ने कहा कि अफगान वायु सेना के ए-29 युद्धक विमानों ने भी जमीनी बलों के समर्थन में कई हमले किए। अफगान रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि इसके अलावा, हेरात के घोरियन जिले में किए गए हवाई हमलों में 13 तालिबान आतंकवादी मारे गए और 22 अन्य आतंकी मारे गए। बयान में यह भी कहा गया कि सुरक्षाबलों की छापेमार कार्रवाई के दौरान हथियारों और गोला-बारूद के साथ सात वाहन नष्ट हो गए।

जापान ने 4 प्रान्तों में कोविड आपातकाल की स्थिति का विस्तार किया

टोक्यो। देश में पहली बार 10,000 से ज्यादा मामलों की पुष्टि होने के बाद जापान सरकार ने शुक्रवार को चिबा, कानागावा, सैतामा और ओसाका प्रान्तों में कोविड आपातकाल के विस्तार की घोषणा की। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, होक्काइडो, इशिकावा, ह्योगो, क्योटो और फुकुओका के लिए ढीले प्रतिबंधात्मक उपायों के साथ अर्ध-आपातकाल की स्थिति भी लागू की जाएगी। दोनों अगस्त 2-31 से प्रभावी होंगे। वर्तमान में आपातकालीन घोषणा अगस्त के अंत तक टोक्यो और ओकिनावा के लिए लागू है। डायट या संसद को रिपोर्ट दिए जाने के बाद विस्तार योजना को सरकार की टास्क फोर्स द्वारा दिन में अंतिम रूप दिया जाएगा। प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा शुक्रवार शाम एक संवाददाता सम्मेलन में सरकार के फैसले की व्याख्या करेंगे।

संयुक्त यमनी सुरक्षा बलों ने हौथी हमले को विफल किया

सना। एक सैन्य अधिकारी ने पुष्टि की है कि सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा समर्थित संयुक्त यमनी सुरक्षा बलों ने देश के लाल सागर बंदरगाह शहर होदेइदाह में हौथी मिलिशिया द्वारा किए गए हमले को नाकाम कर दिया। समाचार एजेंसी ने गुरुवार को अधिकारी के हवाले से कहा, हौथिस ने एक आक्रामक शुरूआत की और होदेइदाह के दक्षिणी हिस्से में हेज जिले में जमीनी सैन्य उन्नति हासिल करने का प्रयास किया, जिससे रणनीतिक बंदरगाह शहर में तनाव पैदा हो गया। कई एलीट सैन्य इकाइयाँ, जिन्हें गणतंत्र के संरक्षक के रूप में जाना जाता है, वर्तमान में यमन के पश्चिमी तट पर प्रमुख रणनीतिक क्षेत्रों को नियंत्रित कर रही हैं और छिटपुट रूप से हौथियों के साथ लड़ने में संलग्न हैं। अधिकारी के अनुसार, हेज पर हमले के बाद, इकाइयाँ जुटाई गईं, जिन्होंने यमन के होदेइदाह पर स्थित रणनीतिक क्षेत्रों को सुरक्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया।

क्या चीन और उसकी महत्वाकांक्षी बीआरआई के लिए पाकिस्तान वाटरलू साबित होगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)।

चीन ने चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे में लगे अपने कार्यकताओं को एके 47 बंदूकों से लैस करना शुरू कर दिया है और देश भर में फैले अपने लोगों और हितों की रक्षा के लिए अपने सैनिकों को पाकिस्तान भेजने पर भी विचार करना शुरू कर दिया है। चीन को पाकिस्तान आर्मी स्पेशल सिक्योरिटी डिवीजन (एसएसडी) की क्षमता पर कोई भरोसा नहीं है, जिस पर बीजिंग ने प्रशिक्षण में और चीनी नागरिकों और बहु-अरब डॉलर की सीपीईसी परियोजना से जुड़ी संपत्तियों की रक्षा के लिए तैनात सैनिकों को लैस करने के लिए भारी मात्रा में धन का निवेश किया।

चीन ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के ऊपरी कोहिस्तान इलाके में दसू जलविद्युत परियोजना का काम भी रोक दिया है। 14 जुलाई को हुए विस्फोट में नौ चीनी कामगारों की मौत से नाराज चीन ने सीपीईसी परियोजना के लिए एक उच्च स्तरीय संयुक्त सहयोग समिति की बैठक रोक दी है, जो 16 जुलाई को होनी थी।

सबसे बुरी बात यह है कि पाकिस्तान में उसका विश्वास लगभग चकनाचूर हो गया, उसने अपनी टीम को उस बस में विस्फोट के कारणों की जांच करने के लिए भेजा, जिसमें चीनी और पाकिस्तानी श्रमिक वुहान स्थित निर्माण कंपनी, गेझोउबा समूह द्वारा विकसित की जा रही 4300 मेगावाट की दसू जलविद्युत परियोजना की यात्रा कर रहे थे।

हालांकि अभी तक किसी भी आतंकवादी संगठन ने विस्फोट की जिम्मेदारी नहीं ली है, इस तथ्य को देखते हुए कि खैबर पख्तूनख्वा प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) संगठन का गढ़ रहा है, इस बात का संदेह है कि आतंकवादी संगठन के पीछे हो सकता है। चीनी हितों पर पहले के हमलों में, टीटीपी के पास जिम्मेदारी थी। अप्रैल में दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान में लग्जरी होटल पर हुए आत्मघाती हमले के पीछे इसका हाथ था। यह हमला पाकिस्तान में चीनी राजदूत नोंग रोंग को निशाने पर रखते हुए किया गया था। चीनी राजदूत, हालांकि, टीटीपी द्वारा किए गए आत्मघाती बम विस्फोट से चमत्कारिक रूप से बच गए, आतंकवादी संगठन जिसने तुरंत उस घटना की जिम्मेदारी ली जिसमें पांच लोग मारे गए और 12 अन्य घायल हो गए। रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले छह वर्षों में, विशेष रूप से सीपीईसी परियोजनाओं के सिलसिले में चीनी सैनिकों के पाकिस्तान में घुसने के बाद, विभिन्न चरमपंथी समूहों ने देश के अंदर अपने हमलों का लक्ष्य चीनी हितों को बनाया है। 6 मई, 2016 को सिंध प्रांत के सुक्कुर शहर में सुक्कुर और मुल्तान के बीच राजमार्ग के एक खंड के निर्माण की शुरूआत के साथ सीपीईसी पहल की नींव रखी गई थी। सुक्कुर शहर में उद्घाटन समारोह में सीपीईसी पर पाकिस्तान और चीन के सत्तारूढ़ कुलीनों के उत्साहजनक शब्दों की आवाजें फैलने से पहले ही, मई 2016 में कराची में चीनी इंजीनियरों पर सिंध अलगाववादियों ने हमला किया था। उस हमले में कोई चीनी नागरिक नहीं मारा गया था। फिर सितंबर 2016 में बलूच विद्रोहियों द्वारा किए गए हमले में दो चीनी इंजीनियरों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

2017 में, मजीद ब्रिगेड नामक एक संगठन ने ग्वादर में एक पांच सितारा होटल पर हमला किया, जब चीनी प्रतिनिधिमंडल एक बंदरगाह परियोजना की योजना बनाने में व्यस्त था। उस हमले में आठ लोगों की मौत हो गई थी। उसी वर्ष, ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया जिसमें मजीद ब्रिगेड के एक कथित सदस्य को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग को बलूचिस्तान से बाहर निकलने की चेतावनी देते हुए सुना गया।

कोरोना को लेकर रिपोर्ट में सामने आया चौंका देने वाला खुलासा, चिकनपॉक्स की तरह फैलता है डेल्टा वेरिएंट

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी ने भारत समेत दुनिया के तकरीबन हर एक देश में हाहाकार मचाया हुआ है। चीन के वुहान शहर से फैलने वाले इस वायरस ने कई बार अपने प्रकार में बदलाव किया है। लेकिन कोरोना संक्रमण का डेल्टा वेरिएंट सबसे ज्यादा घातक बताया जा रहा है। क्योंकि डेल्टा वेरिएंट चिकन पॉक्स यानि की चेचक की तरह आसानी से फैल सकता है। अमेरिका सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना के डेल्टा वेरिएंट पहली बार भारत में देखा गया था। यह वेरिएंट कोरोना वैक्सीन ले चुके लोगों से बिल्कुल उसी तरह से फैल सकता है जैसे कि बिना वैक्सीन लिए हुए लोगों से फैलने का खतरा है। सीडीसी के निदेशक डॉक्टर रोशेल पी वालेंस्की ने बताया कि वैक्सीन ले चुके और नहीं ले चुके लोगों से एक ही स्पीड में संक्रमण फैलने का खतरा है। अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस खबर को प्रकाशित किया है। जिसके मुताबिक सीडीसी के निदेशक डॉक्टर रोशेल पी वालेंस्की ने बताया कि वैक्सीनेट हो चुके लोगों के नाक और गले में उसी मात्रा में डेल्टा वेरिएंट होंगे जितने बगैर वैक्सीन लिए हुए लोगों में मौजूद होते हैं। ऐसे में दोनों ही एक ही स्पीड के साथ लोगों को संक्रमित कर सकते हैं। हालांकि आंतरिक रिपोर्ट वेरिएंट के व्यापक और इससे भी गंभीर दृश्य की रूपरेखा तैयार करता है।

रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वायरस संक्रमण का डेल्ट वेरिएंट मर्स, सार्स, इबोला, सामान्य सर्दी, मौसमी फ्लू और स्मालपॉक्स की तुलना में ज्यादा तेजी से फैलता है। हालांकि, यह चिकनपॉक्स की तरह संक्रामक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एजेंसी तो तत्काल यह स्वीकार करना चाहिए कि 'अब युद्ध बदल गया है'। इस अध्ययन से परिचित एक अधिकारी ने उम्मीद जताई कि एजेंसी डेल्टा वेरिएंट पर अतिरिक्त डेटा प्रकाशित कर सकती है। अधिकारी के मुताबिक सीडीसी आने वाले डेटा को लेकर काफी चिंतित है। डेल्टा वेरिएंट बहुत बड़ा खतरा है जिसके लिए त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता है।

किम जोंग-उन ने सेना से किसी भी उकसावे से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा

सियोल (एजेंसी)।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने देश की सेना को दुश्मनों के किसी भी सैन्य उकसावे से निपटने के लिए पूरी तैयारी करने का निर्देश दिया है। प्योंगयांग की आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) की रिपोर्ट के अनुसार, किम ने 24-27 जुलाई को यहां सैन्य कमांडरों और राजनीतिक कैडरों के लिए एक कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए यह टिप्पणी की। किम के हवाले से कहा गया, कमांडरों और राजनीतिक अधिकारियों को दुश्मनों के किसी भी सैन्य उकसावे से सक्रिय रूप से और आक्रामक तरीके से मुकाबला करने की तैयारी पूरी करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। समाचार एजेंसी ने केसीएनए रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि, किम ने कोरियाई पीपुल्स आर्मी (केपीए) के सभी कमांडरों और राजनीतिक कमिसरों से अपने समग्र कार्य की गंभीरता से समीक्षा करने और कमियों और विचलन को दूर करने और अच्छे अनुभवों का आदान-प्रदान करने के तरीके खोजने के लिए पहले से कहीं ज्यादा कोशिश करने का आह्वान किया। चार दिवसीय कार्यशाला के दौरान, उन्होंने शत्रुतापूर्ण ताकतों पर आक्रामकता के लिए उन्मत्त और लगातार युद्ध अभ्यास को तेज करने का आरोप लगाया और उत्तर कोरियाई सैन्य सैनिकों से लोगों और उनकी संपत्तियों की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने का आह्वान किया।

पीओके चुनाव पर भारत की टिप्पणी से बौखलाया पाकिस्तान, भारतीय राजनयिक को किया तलब

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने शुक्रवार को यहां भारतीय उच्चायोग के एक शीर्ष राजनयिक को तलब कर पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर(पीओके) में हाल में संपन्न चुनावों पर भारत की टिप्पणियों को ''खारिज'' किया। विदेश मंत्रालय ने यहां बयान जारी कर कहा, ''भारत के प्रभारी राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब कर भारत के विरोध को खारिज किया गया और जम्मू-कश्मीर विवाद पर पाकिस्तान के स्पष्ट एवं सतत रूख के बारे में बताया गया।'' भारत ने पीओके में 25 जुलाई को हुए चुनावों को खारिज कर दिया जहां प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने जीत दर्ज की।

भारत ने कहा कि ''बनावटी प्रक्रिया'' कुछ नहीं बल्कि पाकिस्तान द्वारा ''अपने अवैध कब्जे को छिपाने'' का प्रयास है। साथ ही भारत ने इस पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में चुनावों पर कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि पाकिस्तान का ''इन भारतीय भूभागों पर कोई अधिकार नहीं है'' और अपने अवैध कब्जे के सभी भारतीय क्षेत्रों को उसे खाली कर देना चाहिए। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच जम्मू-कश्मीर विवाद संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के एजेंडा में 1948 से ही है और यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिह्नित विवाद है। भारत सरकार द्वारा अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने के बाद पाकिस्तान ने भारत के साथ अपने संबंधों को कमतर किया और व्यापार स्थगित कर दिया। भारत का कहना है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 से जुड़ा मुद्दा पूरी तरह देश का अंदरूनीमामला है।

अफगानिस्तान के 200 नागरिकों को लेकर अमेरिका पहुंचा बचाव विमान, जो बाइडेन ने किया स्वागत

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में अमेरिकी लोगों के साथ काम करने वाले अफगानी दुभाषियों एवं अन्य को लेकर पहला विमान वॉशिंगटन के डलास अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शुक्रवार की सुबह उतरा। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उनके अमेरिका आगमन का स्वागत किया। यह जानकारी अमेरिकी सरकार के दस्तावेजों और व्यावसायिक विमानों की उड़ान पर नजर रखने वाली सेवा ने दी है। विमानों पर नजर रखने वाले 'फ्लाईटअवेयर' के मुताबिक विमान में अफगानिस्तान के 221 नागरिक सवार थे जिसमें 57 बच्चे और 15 शिशु शामिल हैं। बचाव विमान से पूर्व दुभाषियों और अन्य ऐसे लोगों को लाया गया है जिन्होंने अफगानिस्तान में अमेरिकी सेवा सदस्यों और नागरिकों के साथ काम किया था और अब इस बात की आशंका थी कि तालिबान उनसे प्रतिशोध ले सकता है। विमान में दुभाषियों एवं अन्य के साथ उनके परिवार के सदस्य भी थे।

बाइडन ने विमान को ''महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया और कहा कि हम उन हजारों अफगान नागरिकों के प्रति अपने वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिन्होंने पिछले 20 वर्षों से अमेरिकी सैनिकों एवं राजनयिकों के कंधा से कंधा मिलाकर सेवा दी है।'' बाइडन ने बयान जारी कर कहा, ''मैं अमेरिका के साथ खड़ा होने के लिए इन बहादुर अफगान नागरिकों को धन्यवाद देता हूं और आज मैं गर्व के साथ कहता हूं - आपका घर में स्वागत है।'' कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को एक विधेयक को मंजूरी दी जिसमें 8000 अतिरिक्त वीजा दिए जाने और अफगान वीजा कार्यक्रम के वित्त पोषण के लिए 50 करोड़ डॉलर के कोष का प्रावधान किया गया है। बाइडन ने इस वर्ष की शुरुआत में घोषणा की थी कि अमेरिका 11 सितंबर तक अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की पूर्ण वापसी कर लेगा। अमेरिकी अधिकारियों ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि उन्हें वर्जीनिया के फोर्ट ली में कई दिनों तक ठहराया जा सकता है। विमानों से करीब 700 और लोगों को लाया जाना है जो वीजा प्राप्त करने की प्रक्रिया में हैं या वीजा प्राप्त कर चुके हैं और सुरक्षा जांच से गुजर चुके हैं।

पेगासस जासूसी कांड : इजराइल ने एनएसओ के खिलाफ आरोपों की जांच शुरू की

यरूशलम। (एजेंसी)।

पेगासस जासूसी कांड में एनएसओ समूह के खिलाफ गलत काम करने के आरोपों की इजराइल ने जांच शुरू कर दी है। कई सरकारों द्वारा इसके स्पाईवेयर के गलत इस्तेमाल के आरोपों पर अधिकारियों ने साइबरसिक्योरिटी कंपनी के कार्यालय की जांच की। कई निकायों के प्रतिनिधियों ने बुधवार को एनएसओ कार्यालय का दौरा कर इस सिलसिले में लगाए गए आरोपों की जांच की। यह जानकारी इजराइल के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने दी। विस्तृत जानकारी मांगने पर उन्होंने 'पीटीआई' से कहा कि ''इस वक्त हम विस्तार से जानकारी नहीं दे रहे हैं।''

स्थानीय मीडिया ने खबर दी कि जो निकाय जांच कर रहे हैं उनमें रक्षा मंत्रालय का निर्यात नियंत्रण संभाग और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् है जिसे जरूरत पड़ने पर जांच के लिए अधिकृत किया गया है। खबरों के मुताबिक जांच का केंद्र यह है कि क्या कंपनी ने रक्षा मंत्रालय के निर्यात नियंत्रण विभाग द्वारा दिए गए परमिट एवं शक्तियों के मुताबिक काम किया।

पेगासस सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल भारत सहित कई देशों में पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, नेताओं एवं अन्य की जासूसी करने के आरोपों से निजता से जुड़े मुद्दों को लेकर चिंता उभरी है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्रों के खिलाफ स्पाईवेयर के इस्तेमाल की खबरों के बीच इजराइल के रक्षा मंत्री बेनी गांत्ज ने बुधवार को पेरिस का दौरा किया ओर अपने फ्रांसीसी समकक्ष फ्लोरेंस पार्ली को आश्वासन दिया कि यरूशलम मुद्दे को ''गंभीरता'' से ले रहा है।

शादी से इंकार करने पर महिला का काट दिया था सिर, पाकिस्तान में महिलाओं का हाल-बेहाल

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

नूर मुकादम की जिंदगी के आखिरी कुछ घंटे खौफनाक थे। 27 वर्षीय नूर ने इस दर्द से बचने के लिए खिड़की से छलांग लगा दी थी, लेकिन उसे वापस घर में लाया गया... पीटा गया और फिर उसका सिर काट उसकी हत्या की गई। उसे इतनी दर्दनाक मौत देने का आरोप उसके बचपन के दोस्त जफीर जाफर पर है। खबरों के अनुसार, नूर ने जहीर से शादी करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद उसने कथित तौर पर यह कदम उठाया। इस घटना ने पिछले सप्ताह पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में सनसनी मचा दी थी, जहां पहले ही मानवाधिकार कार्यकर्ता महिलाओं के खिलाफ हो रहे हमलों के विरूद्ध आवाज उठा रहे हैं।

प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता ताहिरा अब्दुल्ला ने कहा कि नूर मुकादम एक राजनयिक की बेटी थी और समाज में उसके ओहदे के कारण इस मामले को मिली इतनी तव्वजो के जरिए पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ बढ़ रही हिंसा पर आखिरकार सवाल उठे। लेकिन इस तरह की हिंसा का शिकार होने वाली अधिकांश महिलाएं देश के गरीब और मध्यम वर्गों में से हैं और उनकी मौत को लेकर अक्सर कोई शिकायत दर्ज नहीं की जाती या इन्हें अनदेखा कर दिया जाता है। अब्दुल्ला ने कहा कि केवल एक सप्ताह में महिलाओं पर हुए हमलों की '' मैं अपने हाथ से लंबी एक सूची आपको दे सकता हूं। पाकिस्तान में महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों और हिंसा की महामारी एक मूक महामारी है जिसे कोई नहीं देख रहा और ना कोई इस बारे में बात कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि इन सबके बावजूद पाकिस्तान की संसद इस महीने एक विधेयक पारित करने में विफल रही, जो महिलाओं को घरेलू हिंसा से बचाने के लिए था। इसमें पति द्वारा की जाने वाली हिंसा भी शामिल है।

इसके बजाय उसने एक इस्लामी विचारधारा परिषद को इस पर गौर करने को कहा है, इसी परिषद ने पहले कहा था कि पति के पत्नी को मारने में कुछ गलत नहीं है। इस साल की शुरुआत में जारी की गई 'ह्यूमन राइट्स वॉच' की रिपोर्ट के अनुसार, देश भर में घरेलू हिंसा 'हॉटलाइन' से एकत्र किए गए आंकड़ों में पिछले साल जनवरी और मार्च के बीच हुई घरेलू हिंसा में 200 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। कोविड-19 के कारण मार्च में शुरू हुए लॉकडाउन के दौरान तो यह आंकड़ें काफी अधिक थे। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने कहा कि पाकिस्तान में तथाकथित शान के लिए हत्या के कई मामले में अपराधी भाई, पिता या अन्य पुरुष रिश्तेदार होते हैं। हर साल, इस तरह से 1,000 से अधिक महिलाओं की हत्या कर दी जाती है, उनमें से कई की शिकायत भी दर्ज नहीं की जाती। अधिकार समूहों ने पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी सरकार की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि वह धार्मिक अधिकार के लिए काम करते हैं और महिलाओं पर हमलों के अपराधियों को माफ करते हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व क्रिकेटर,

जिन्होंने तीन बार शादी की है और एक समय था जब खान की छवि कई महिलाओं के साथ संबंध रखने वाले व्यक्ति की थी, लेकिन अब उन्होंने एक रूढ़िवादी इस्लाम को अपना लिया है। वह एक धार्मिक व्यक्ति के साथ घनिष्ठ संबंध रखते हैं, जिन्होंने ''महिलाओं के साथ हो रहे अपराधों'' के लिए कोविड-19 को दोषी ठहराया था।

संपादकीय

न्याय पर हमला

झारखंड में न्यायपालिका की सुरक्षा पर सवाल खड़े करने वाली जो घटना हुई है, उसने पूरे न्याय जगत को झकझोर कर रख दिया है। पूरी न्याय बिरादरी न केवल दुखी, बल्कि नाराज भी है। धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश उत्तम आनंद को सुबह की सैर के समय सड़क किनारे जिस तरह से टक्कर मारी गई है, उसे बहुत गंभीरता से लेने की जरूरत है। अगर किसी अपराधी को जमानत न देने या किसी अपराधी को सजा सुनाने की वजह से जज को निशाना बनाया गया है, तो यह पूरी कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती है। कानून के शासन पर ही प्रश्नचिन्ह लग गया है। आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन ऑटो का संतुलन बिगड़ने की दलील प्रथम दृष्टया सही मानी नहीं जा सकती। एक खाली सड़क पर पीछे से ऑटो अपनी लेन बदलते हुए सड़क के एकदम किनारे आता है और एक जज या व्यक्ति को टक्कर मारकर गिराने के बाद रुकता भी नहीं। यदि संतुलन बिगड़ने से यह दुर्घटना हुई होती, तो ऑटो वाले को टक्कर मारने के बाद रुकना चाहिए था, लेकिन वह टक्कर मारने के बाद आराम से चलता बना। वह तो भला हो कि सीसीटीवी फुटेज में सच सामने आ गया, वरना पुलिस तो इस मामले को सामान्य सड़क दुर्घटना मानकर ही चल रही थी। इस मामले में सीसीटीवी फुटेज की महत्ता एक बार फिर साफ हो गई है, जिसकी मदद से जज को न्याय मिलने की पूरी गुंजाइश है। पुलिस को जल्द से जल्द पता लगाना चाहिए कि जज की मौत महज एक दुर्घटना है या फिर सोची-समझी साजिश के तहत उनकी हत्या की गई है। जज की मौत को राज्य सरकार ने अगर गंभीरता से लिया है, तो सच्चाई जल्द ही सामने आनी चाहिए। यह पुलिस के लिए भी नाक का मामला होना चाहिए, क्योंकि इस मामले में न्याय बिरादरी पूरी तरह मुस्तैद है। सुप्रीम कोर्ट तक में इसकी गूंज होने वाली है, पूरे देश में वकीलों में चिंता की लहर है। अगर ऐसे अपराधी मनमानी करेंगे, तो कोई न्याय की राह पर कैसे चलेगा? क्या अपराधियों के हिसाब से ही न्याय करने की नौबत आ जाएगी? यह सवाल फिर ताजा हो गया है कि क्या देश में अपराधीकरण में इजाफा हो रहा है? पूरा न्याय हो, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी स्वयं न्यायपालिका के साथ ही कार्यपालिका और विधायिका की भी है। लोकतंत्र के स्तंभों को मिलकर न्याय सुनिश्चित करना चाहिए। अपराधियों का दुस्साहस अगर इतना बढ़ गया है, तो माकूल कार्रवाई से उन्हें जवाब मिलना चाहिए। यह समग्रता में भी हमारी व्यवस्था के लिए सोचने का मौका है कि क्या हम अपराधियों के प्रति जरूरत से ज्यादा नरमी नहीं दिखाते हैं? आरोपी ऑटो चालक पहले भी जेल जा चुके हैं, मतलब, जेल जाने के बाद भी अपराधी बाज नहीं आ रहे। ऐसे में, जमानत पर छूटे तमाम अपराधियों के प्रति संवेदना खत्म हो जाती है। अपराधियों को कतई समाज में खुला नहीं छोड़ना चाहिए। कानून की उदारता का फायदा आम आदमी को मिलना चाहिए, लेकिन अपराधी ही उदारता का फायदा उठाते हैं। उन्हें शायद कानून या न्याय बिरादरी की उदारता से ही उम्मीद होगी कि वे अपराध करके या एक जज को निशाना बनाकर भी बच जाएंगे। अब हमारे तंत्र की सार्थकता इसी में है कि वह अपराध या अपराधियों की बुनियाद को जड़ से उखाड़ फेंके।

'आज के ट्वीट

समय

समय हर समय को बदल देता है, बस समय को थोड़ा समय चाहिए।

-- विवेक बिन्द्रा

बिजली गिरने की घटनाओं में इतनी बढ़ोतरी क्यों?

– रंजना मिश्रा

आसमान से बिजली गिरना प्राकृतिक आपदा है, यह आपदा आजकल राजस्थान से उत्तर प्रदेश तक कई राज्यों में बेहद खतरनाक मंजर पैदा कर रही है। देश में सबसे ज्यादा मौतें बिजली गिरने से हो रही हैं। अनुमान है कि देश में हर साल 2000 से 2500 लोग आसमानी बिजली गिरने से मर रहे हैं। साल दर साल ये घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। सवाल यह उठता है कि भारत में बिजली गिरने की घटनाओं में इतनी बढ़ोतरी क्यों होती जा रही है? बारिश पहले भी होती थी लेकिन पहले इतनी बिजली नहीं गिरती थी। वो भी उत्तर भारत में बिजली गिरने की घटनाएं ज्यादा बढ़ रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल 2019 से मार्च 2020 तक भारत में 1 करोड़ 38 लाख बार बिजली गिरी और अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक एक करोड़ 85 लाख बार बिजली गिरी है, यानी एक साल में 47 लाख बार बिजली गिरने की घटनाओं में वृद्धि हुई है या कह सकते हैं कि एक साल में 38% ज्यादा बिजली गिरी है। ये आंकड़ा पिछले कई सालों से बढ़ता जा रहा है। बिजली गिरने की घटनाएं पंजाब में एक ही साल में 331% ज्यादा हो गईं, बिहार में 168% ज्यादा हो गईं, हरियाणा में 164% और हिमाचल में 105त्न ज्यादा हो गई हैं। आसमान में बादलों के बीच ज्यादा गर्मी और ज्यादा नमी के मिलने से थंडर क्लाउड बन जाता है और इसके कारण जमीन से ऊपर आसमान में 8 से 10 किलोमीटर की ऊंचाई पर बादलों के बीच एक तूफान सा आता है। इससे बादलों के निचले हिस्से में नेगेटिव चार्ज पैदा होता है, बादलों के ऊपरी हिस्से में पॉजिटिव चार्ज होता है, इन दोनों नेगेटिव और पॉजिटिव चार्ज में दूरी कम होने पर बिजली तैयार हो जाती है। यही बिजली कंडक्टर की तलाश में धरती पर गिरती है, जिससे भयंकर नुकसान होता है। पेड़, इमारत, ऊंची पहाड़ी या टॉवर आदि आसमानी बिजली के गुड कंडक्टर बन जाते हैं और बिजली उनकी ओर खिंची चली आती है। आसान शब्दों में हम इसे ऐसे समझ सकते हैं कि जमीन पर पानी गर्म होता है तो भाप बनती है, जो ऊपर उठकर बादल बन जाती है, यानी बादलों में पानी होता है भाप के रूप में, ये बादल नीचे से भले ही रुई के बड़े-बड़े गोले लगते हैं, लेकिन वास्तव में ये भाप के पहाड़ होते हैं। इन भाप के पहाड़ों का नीचे का हिस्सा जमीन से एक किलोमीटर ऊपर होता है और ये आसमान में लगभग 10 किलोमीटर ऊपर तक भाप से भरे होते हैं। आसमान में ऊपर लगभग -40 डिग्री सेल्सियस की ठंड होती है, इसलिए भाप ऊपर उठते-उठते बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़ों में बदल जाती है और ये बर्फ के टुकड़े जितना ऊपर जाते हैं, उतने बड़े होते जाते हैं। यानी 10 किलोमीटर ऊंचा पहाड़ है, जो एक किलोमीटर ऊपर हवा में उड़ रहा है, उसमें नीचे भाप है, उसके ऊपर छोटी-छोटी बूंदें हैं, उससे ऊपर बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़े हैं और उनके भी ऊपर बर्फ के मोटे-मोटे टुकड़े हैं, तो ऊपर के बड़े वाले टुकड़े बादल के अंदर ही भारी होने लगते हैं और नीचे गिरने लगते हैं, नीचे बर्फ के छोटे-छोटे टुकड़े होते हैं, जिनसे बर्फ के बड़े टुकड़े रगड़ खाने लगते हैं। बर्फ के क्रिस्टल रगड़ने से बादलों में स्पार्किंग होती है, जिससे बिजली निकलती है, ये बिजली कोई छोटे-मोटे वोल्ट की नहीं बल्कि 100 करोड़ वोल्ट से 1000 करोड़ वोल्ट तक की होती है। घर में लगा बिजली का प्लग 220 वोल्ट का होता है। बिजली चूंकि अर्थिंग ढूंढती है यानी धरती के कोर में जाने का रास्ता ढूंढती है तो बादलों में पैदा होने वाली बिजली का कुछ हिस्सा यानी कई करोड़ वोल्ट धरती की ओर भागते हैं और बादलों से नीचे आते वक्त जो भी सबसे ऊंची चीज चाहे वह पेड़ हो या कोई ऊंची इमारत या फिर कुछ और, उसी को पकड़ लेते हैं। इसका चांस कम रहता है कि बिजली सीधा किसी आदमी पर गिर जाए, लेकिन जैसे बाथरूम के गीले फर्श पर नंगे पैर खड़े होकर जब हम बिजली का साकेट छूते हैं तो करंट लगता है, उसी प्रकार बारिश में जमीन गीली होती है और ऐसे में जब आसमान से बिजली जमीन पर गिरती है तो उसके आसपास जो लोग खड़े होते हैं वे उसके शिकार हो जाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग की वजह से बिजली गिरने की घटनाओं में वृद्धि हुई है। ईंधन जलाने से धरती का तापमान बढ़ा है। कोयला, पेट्रोल, डीजल जलाकर व फैक्ट्रियों की भट्टियां जलाकर पिछले 100 सालों में हमने धरती को गर्म कर दिया है। इससे बारिश के मौसम में जमीन पर नमी रहती है, तो बादलों में स्पार्किंग होने पर बिजली को नीचे आने का रास्ता मिल जाता है, इसीलिए बिजली गिरने की घटनाएं आजकल ज्यादा हो रही हैं। यही वजह है कि जब जंगलों में आग लगने की घटनाएं होती हैं, उसके बाद भी बारिश में बिजली ज्यादा गिरती है। यह ग्लोबल वार्मिंग का बिजली गिरने की घटनाओं से रिश्ता है, अभी इस पर रिसर्च चल रही है लेकिन इतना साफ है कि ग्लोबल वार्मिंग से बिजली गिरने की घटनाएं बढ़ गई हैं। हाल ही में उत्तर भारत में हुई बारिश के चलते लगभग 70 लोगों की जान आकाशीय बिजली गिरने से गई। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिजली गिरने की सबसे ज्यादा घटनाएं बिहार में हुई हैं, जिसमें एक साल के अंदर बिहार में बिजली गिरने से 401 लोगों की मृत्यु हो गई। वहीं दूसरा नंबर उत्तर प्रदेश का था, जहां बिजली गिरने से एक साल में 238 लोगों की जानें गईं। पूरे भारतवर्ष में बिजली कड़कने की घटनाओं में 34 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। आसमान में जब बादल गरजें, बिजली कड़के, तब यह बेहद जरूरी है कि खुले आसमान के नीचे रहने या बिजली के किसी कंडक्टर के करीब आने से बचना चाहिए। बिजली कड़कने पर सावधान हो जाना चाहिए। आंकड़े बताते हैं कि बिजली कड़कने के दौरान पेड़ के नीचे शरण लेना सबसे खतरनाक है, क्योंकि बिजली गिरने से 71% तक मौतें पेड़ के नीचे खड़े होने वालों की हुई हैं। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली कड़कने के दौरान पेड़ के नीचे खड़े नहीं होना चाहिए। यह देखा गया है कि बिजली गिरने से मरने वालों में 25% या तो खेत में काम कर रहे थे, बकरियां चरा रहे थे या सड़क पर चल रहे थे। इसलिए बिजली गिरने के दौरान खुली जगहों पर ना रहें। 4 फीसदी लोगों की बिजली के अप्रत्यक्ष प्रहार से मौत हुई है, जैसे कच्चे घर या झोपड़ी के अंदर। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2001 से 2018 के बीच 42,500 लोगों की मौत बिजली गिरने से हुई है। भारत के पूर्वी हिस्से जैसे उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, झारखंड और उत्तर पूर्वी राज्य सबसे ज्यादा बिजली गिरने से प्रभावित होते रहे हैं। अधिकांश मौतों की वजह आकाश से गिरने वाली बिजली को हल्के में लेना था। बिजली गरजे तो घर में रहने में ही भलाई है, अगर घर से दूर हैं तो पहाड़ी और ऊंचे इलाकों से दूर रहें, गाड़ी में बैठे हों तो खिड़कियां बंद रखें। तालाब, झील, पानी वाली जगहों से दूर रहें। बिजली गिरने के दौरान जमीन के बल कभी ना लेटें। चट्टान के नीचे शरण ना लें। बिजली के तारों से दूर रहें। ग्रुप में हों तो अलग हो जाएं। आमतौर पर शहरों में जो इमारतें बनाई जा रही हैं, वो बिजली गिरने से नुकसान को टाल देती हैं, लेकिन ग्रामीण इलाकों में जागरूकता की कमी दिखाई पड़ती है। यही कारण है कि बिजली गिरने से नुकसान के सिर्फ चार फीसदी मामले शहरों में होते हैं, जबकि 96 फीसदी नुकसान ग्रामीण इलाकों में होता है। इसलिए सावधानी में ही समझदारी है। (लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

सांस

सद्गुरु

जैसे जैसे हमारी जागरूकता में तीव्रता और पैनापन आने लगता है, एक बात जिसके बारे में हम स्वाभाविक रूप से सबसे पहले जागरूक होते हैं, वह है सांस। हमारे शरीर में चलने वाली सांस, एक यांत्रिक प्रक्रिया है, जो लगातार बिना रु के चलती है। यह बहुत आश्चर्यजनक है कि कैसे अधिकतर लोग इसके बारे में जागरूक हुए बिना ही जीते रहते हैं, लेकिन एक बार जब आप सांस के बारे में जागरूक हो जाते हैं, तो ये एक अद्भुत प्रक्रिया बन जाती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आज 'सांस को देखना' संभवत- ध्यान की सबसे अधिक लोकप्रिय विधियों में से है। यह मूलभूत और सरल है, तथा इतनी आसानी से और स्वाभाविक रूप से होती है कि इसके लिए कोई तैयारी नहीं करनी पड़ती। अगर आप थोड़े से ज्यादा सचेत हो जाते हैं, तो आप की सांस स्वाभाविक रूप से आप की जागरूकता में आ जाएगी। मैं छह-सात वर्ष का था, जब मैंने अपनी सांस का आनंद लेना शुरू किया। अपनी छोटी सी छाती और पेट को लयबद्ध ढंग से ऊपर-नीचे होते देखने में मुझे बहुत रुचि थी और मैं घंटों तक बस यही करता रहता था। ध्यान का विचार तो काफी बाद में मेरे जीवन में आया। तो अगर आप थोड़े से भी सचेत हैं तो आप सांस की सरल लय को अनदेखा नहीं कर सकते, जो बिना रु के चलती रहती है। अधिकतर लोगों का ध्यान अपनी सांस की ओर तभी जाता है जब उनकी ास नलियों में ऐंठन आ जाती है, या सांस ज्यादा तेजी से चलती है। वे अपनी सामान्य सांस को अनदेखा कर रहे हैं, सिर्फ इसलिए क्योंकि उनमें ध्यान देने की कमी एक गंभीर समस्या है। और आजकल तो लोग ध्यान की कमी को एक योग्यता की तरह देख रहे हैं। अपने जीवन में और खास तौर पर अपने बच्चों के जीवन में, ध्यान देने की प्रवृत्ति लाना बहुत महत्वपूर्ण है। आखिर में, बात चाहे आध्यात्मिक हो या सांसारिक, दुनिया से आप को उतना ही मिलता है जितना आप ध्यान देने को तैयार हैं। सांस पर ध्यान देना वैसे तो एक जबरन प्रयास है। लेकिन यह आपको सचेत करने का एक तरीका भी है। महत्त्वपूर्ण चीज अपनी सांस पर ध्यान केंद्रित करना नहीं है, बल्कि अपनी जागरूकता के स्तर को इतना ऊंचा उठाना है कि आप स्वाभाविक रूप से अपनी सांस के प्रति सचेत हो जाएं। सांस लेना एक यांत्रिक प्रक्रिया है।

आज का राशिफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

समाज का दर्पण है प्रेमचंद का साहित्य

(मुंशी प्रेमचंद जयंती 31 जुलाई पर विशेष/ लेखिका डॉ. वंदना सेन)

महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद का साहित्य कालजयी है। समाज की जटिलताओं को कहानी और उपन्यासों के माध्यम से जिस प्रकार से प्रस्तुत किया है, उसके बारे में निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि वे आज भी समसामयिक लगती हैं। कहा जाता है कि साहित्य वही है जो हमेशा प्रासंगिक बना रहे। प्रेमचंद जी ने समाज आधारित साहित्य की रचना की। जो आज भी नवोदित साहित्यकारों के लिए एक सार्थक दिशा का बोध कराता है। वास्तव में प्रेमचंद की रचनाएं समाज का दर्पण हैं। प्रेमचंद जी साहित्यकारों के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए लिखते हैं कि साहित्यकार का काम केवल पाठकों का मन बहलाना नहीं है। यह तो भाटों और मदारियों, विदूषकों और मसखरों का ही काम है। साहित्यकार का पद इससे कहीं ऊंचा है, वह हमारा पथ प्रदर्शक होता है। वह हमारे मनुष्यत्व को जगाता है। हमारे सद्भावों का संचार करता है। हमारी दृष्टि को फैलाता है। प्रेमचंद ने केवल मनोरंजन के लिए साहित्य रचना नहीं की, बल्कि अपनी रचनाओं के द्वारा समाज को नयी रूपरेखा, नये आदर्शों मे ढालने का प्रयास किया। उनके सृजन कर्म का उद्देश्य साहित्य के द्वारा समाज में प्रेम और भाईचारे का संदेश देने और एक ऐसे शोषण विहीन सामज की रचना करना था, जिसका आधार स्वतंत्रता हो। प्रेमचंद अपने साहित्य रचना के माध्यम से इस उद्देश्य में सफल रहे हैं। उपन्यास सम्राट प्रेमचंद्र का जन्म 31 जुलाई 1880 को उत्तरप्रदेश के वाराणसी शहर से चार मील दूर लमही नामक गांव में हुआ था। इनके पिता का नाम अजायब राय और माता का नाम आनंदी देवी था। प्रेमचंद ने साहित्य की अनेक विधाओं पर अपनी लेखनी चलायी। उपन्यास के क्षेत्र में उनके योगदान को देखकर प्रसिद्ध बांग्ला उपन्यासकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने इन्हें उपन्यास का सम्राट कहकर संबोधित किया। प्रेमचंद ने नाटक, उपन्सास, कहानी, समीक्षा, लेख, संस्मरण संपादकीय आदि विधाओं में साहित्य का सृजन किया, पर उन्हें ख्याति कथाकार के रूप में प्राप्त हुई। अपने जीवनकाल में ही वे उपन्यास सम्राट की उपाधि से भी सम्मानित हुए। प्रेमचंद्र ने सन् 1936 में प्रगतिशील लेखक संघ के पहले सभापति के रूप में संबोधन किया। उनका यही भाषण प्रगतिशील आंदोलन के घोषणापत्र का आधार बना। प्रेमचंद की भाषा हिंदी उर्दू मिश्रित थी। अलंकारों और मुहावरों ने उन्हें सजीवता प्रदान की। इनकी भाषा के कारण इनकी रचना के सभी पात्र व चरित्र हमारे समक्ष सजीव हो उठते हैं। यही इनकी भाषा की सबसे बड़ी ताकत है। इनकी भाषा सहज सरल एवं बोधगम्य है। साहित्य एक विराट उद्देश्य को लेकर चलने वाली विधा है और उसमें मनुष्य के सामाजिक जीवन को अधिक सूक्ष्मता एवं विस्तार से जांचा परखा जाता है। उपन्यास साहित्य की सशक्त एवं प्रवाहमय धारा है। मनुष्य चरित्र के अनेकानेक चित्र प्रस्तुत करने के लिए सबसे अधिक विकल्प उपन्यासकार के पास ही होते हैं। प्रेमचंद्र के उपन्यास व्यष्टि और समष्टि की सटीक व्याख्या करते हैं। उसमें मनुष्यों की सैद्धांतिक जटिलताओं और प्रपंचों से मुक्ति पाने का संदेश दिया गया। उनके उपन्यास सहजता व सरलता का प्रसार करते हैं। प्रेमचंद्र के उपन्यासों की रचना उस दौर में हुई, जब भारत सरकार में अंग्रेजी राज और उसके अत्याचार चरम पर थे। उनके उपन्यास में तत्कालीन घटनाएं सजीवता के साथ चित्रित की गयी हैं। प्रेमचंद ने अपने समय में साहित्य और समाज के बीच एक मजबूत सेतु की भूमिका निभायी, जिससे आम आदमी के मन में भी साहित्य के लिए भरोसा पैदा हुआ। प्रेमचंद ने अपना साहित्य मानव जीवन के उत्थान को ध्यान में रखते हुए लिखा। लोक संस्कृति के ऐतिहासिक संदर्भों एवं परम्पराओं को ध्यान में रखते हुए प्रेमचंद्र ने ग्रामीण जीवन की अनेक प्रवृतियां, सादगी और उनके जीवन दर्शन को अपने उपन्यास में अभिव्यक्त किया है। प्रेमचंद ने अपने उपन्यास गोदान में देश के किसानों के जीवन और उनके संघर्ष को मार्मिक संवेदनाओं के साथ चित्रित किया है। गोदान उपन्यास में किसान की नैया भूख और गरीबी के बीच झूलती रहती है। मगर फिर भी वह जरा भी विचलित नहीं होता, वह अपने आपको परिस्थितियों से घिरा नहीं मानता। गोदान में होरी का चरित्र भारतीय किसान को बड़ी ही सहजता से निरूपित करता है। गोदान में होरी की मृत्यु एक प्रतीक के रूप में ही है। जो किसान संस्कृति की अमरता और शाश्वतता के लिए चिर संघर्ष की चेतना का उद्घोष करता है। इसलिए गोदान उपन्यास का विश्व साहित्य मे एक महत्वपूर्ण स्थान है। गोदान में प्रेमचंद ने एक किसान को उपन्यास का नायक बनाकर प्रस्तुत किया है। गोदान भारतीय जीवन साहित्य की अनुपम कृति है। प्रेमचंद चाहते थे कि देश की सभी माताएं अपने बेटों को वीरोचित संस्कार दें। प्रेमचंद ने अपने नारी पात्रों में देशभक्ति का एक उच्चतम शिखर दिखाया है। रंग भूमि में जान्हवी को यह मंजूर नहीं था कि उनका बेटा वीरों जैसी जिंदगी की बजाय प्रेम संबंधों में अपना ध्यान लगाए। विनय द्वारा सोफिया के नाम पत्र लिखा देखकर वह सोफिया को धिक्कारती हुई उससे कहती है मैं विनय को ऐसा मनुष्य बनाना चाहती है जिस पर समाज को गर्व हो। मैं अपने बेटों को सच्चा राजपूत बनाना चाहती हूं। आज वह किसी की रक्षा के निमित अपने प्राण दे तो मुझसे अधिक भाग्यवती संसार में न होगी। प्रेमचंद्र सबसे पहले उपन्यासकार है, जिन्होंने उपन्यास साहित्य को तिलिस्मी दुनिया से बाहर निकाला और अपनी रचनाओं में जन साधारण की भावनाओं, परिस्थितियों और उनकी समस्याओं का मार्मिकता के साथ चित्रण किया। प्रेमचंद एक सच्चे समाज सुधारक थे। उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज को सुधारने का प्रयास किया। प्रेमचंद ने अपने पात्रों का चुनाव समाज के उपेक्षित वर्ग से अधिक किया है। उन्होंने अपनी कहानियों में भारत के वंचित शोषित, दलित, पिछड़े और गरीब किसानों के लिए संघर्ष वर्णित किया है। उनकी कहानियां दलितों व स्त्रियों के दु:खों को उजागर ही नहीं करती, बल्कि उसे मार्मिक भी बना देती हैं। आधुनिक हिंदी साहित्य जगत में कहानी कला को अक्षुण्ण बनाये रखने वाली कहानीकारों में प्रेमचंद्र अग्रणी है। प्रेमचंद का लेखन उनके इस कथन को पूरी तरह से चरितार्थ करता है कि साहित्यकार देशभक्ति और राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई नहीं, बल्कि उसके आगे मशाल दिखाती हुई चलने वाली सच्चाई है।

शर्लिन चोपड़ा से बोले थे राज कुंद्रा- शर्म छोड़ो और हॉलीवुड की मॉडल की तरह खुल कर दिखाओ

शिल्पा शेट्टी के पति और बिजनेममैन राज कुंद्रा को अश्लील फिल्म निर्माण मामले में कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कुंद्रा ने कोर्ट में जमानत के लिए गुहार लगायी थी जिसे भी कोर्ट ने खारिज कर दिया है। भारत में पोर्नोग्राफी गैर कानूनी है लेकिन राजकुंद्रा पर आरोप है कि उन्होंने गैर कानूनी तरीके से भारत में पॉर्न फिल्मों का निर्माण किया और उन्हें हॉटशॉट्स ऐप के माध्यम से स्ट्रीम करके यूजर तक पहुंचाया। राजकुंद्रा इस समय जेल में है लेकिन पोर्नोग्राफी के इस गैर कानूनी रैकिट की पोल कैसे खुली?

बॉलीवुड की एक्ट्रेस शर्लिन चोपड़ा ने ये दावा किया था कि उन्होंने फरवरी 2021 में इस संबंध में मुंबई पुलिस के पास शिकायत दर्ज करवायी थी। शर्लिन ने कहा कि वह इस मामले में महाराष्ट्र साइबर सेल की जांच टीम को बयान देने वाली पहली शख्स थीं। शर्लिन ने ट्विटर पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह हिंदी में कहती हैं- 'पिछले कुछ दिनों से कई पत्रकार और मीडियाकर्मी मुझे फोन कर रहे हैं, मुझे ईमेल कर रहे हैं और मुझे यह जानने के लिए मैसेज कर रहे हैं कि इस विषय पर मेरा क्या कहना है। मैं आप सभी को सूचित करना चाहती हूं कि महाराष्ट्र साइबर सेल की जांच टीम को अपना बयान देने वाला मैं पहली व्यक्ति थी। मैं उनके साथ आर्म्सप्राइम के बारे में जानकारी साझा करने वाला पहली व्यक्ति भी थी।'

अब शर्लिन चोपड़ा के ताजा बयान के अनुसार उन्होंने राज कुंद्रा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। आजतक पर छपी खबर के अनुसार शर्लिन चोपड़ा ने राज कुंद्रा पर यौन दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि कुंद्रा ने उन्हें जबरदस्ती बाथरूम में खींच लिया था और किस करने की कोशिश की थी। शर्लिन ने कहा कि मुझे कुंद्रा की ये एप्रोज बिलकुल पसंद नहीं आयी थी और मैंने इसका विरोध भी किया था।

इंडिया टूडे के अनुसार मार्च 2021 में मुंबई पुलिस के साइबर सेल को दिए अपने बयान में शर्लिन चोपड़ा ने कहा था कि पोर्न फिल्म रैकेट के आरोपी राज कुंद्रा ने अनुरोध किया था कि वह उनके हॉटशॉट्स ऐप के लिए सामग्री बनाएं, लेकिन उन्होंने मना कर दिया था। शर्लिन चोपड़ा ने पुलिस को बताया कि मार्च 2019 में कुंद्रा ने फ्रद शर्लिन चोपड़ा ऐपफ्र के विचार के साथ उनके बिजनेस मैनेजर से संपर्क किया था, यह कहते हुए कि वह जो सामग्री सोशल मीडिया पर अपलोड करती है वह मुफ़्त है लेकिन वह एक अनुकूलित ऐप के माध्यम से इसका मुद्रीकरण कर सकती है।

मार्च 2019 में, शर्लिन चोपड़ा ने आर्मप्राइम के साथ एक समझौता किया था, जिसके संस्थापक राज कुंद्रा थे। उन्होंने अपने बयान में कहा कि उन्होंने आर्म्सप्राइम के साथ समझौते को नवीनीकृत नहीं किया क्योंकि वह मौजूदा 50-50 राजस्व साझाकरण मॉडल के साथ सहज नहीं थी। उन्होंने कहा कि मैंने कुंद्रा से समझौते की समाप्ति पर ऐप पर मौजूद सामग्री को हटाने के लिए कहा था लेकिन सामग्री अभी भी इंटरनेट पर उपलब्ध है।

अनुबंध की अवधि के दौरान, शर्लिन चोपड़ा ने ऐप के लिए कुछ वीडियो शूट किए थे। 'चॉकलेट वीडियो' शीर्षक वाले वीडियो में से एक वीडियो जांच के लिए रुचिकर था और साइबर पुलिस ने इसके बारे में पूछताछ की। अभिनेता ने यह भी कहा कि उस समय आर्म्सप्राइम के क्रिएटिव हेड (नाम रोक दिया गया) के साथ उनकी तीखी बहस हुई थी। चॉकलेट वीडियो अंधेरी (पूर्व) के एक होटल में शूट किया गया था। वीडियो शूट के बारे में बोलते हुए, चोपड़ा ने कहा, 'उसने (रचनात्मक प्रमुख) ने सुझाव दिया कि मैं अपने अपनी शर्म को छोड़ दूं और हॉलीवुड मॉडल की तरह खुल जाऊं।'

हर किरदार ने मुझे कुछ न कुछ सिखाया

विद्या बालन

अपने दमदार अभिनय और भूमिकाओं से दर्शकों को हमेशा मंत्रमुग्ध करने वाली अभिनेत्री विद्या बालन ने इस बारे में खुल कर बात की है। वह कहती हैं कि अब तक उनके द्वारा निभाए गए हर किरदार ने उन्हें शिक्षित किया है और उनके लिए कुछ बदला है। जब से उन्होंने 2005 में परिणीता के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरूआत की, विद्या ने भूल भुलैया, नो वन किल्ड जेसिका, द डर्टी पिक्र र, पा, कहानी, इश्किया, मिशन मंगल, तुम्हारी सुलु और शकुंतला देवी जैसी फिल्मों में अपने गतिशील चित्रण के साथ प्रशंसकों का मनोरंजन किया है। उनकी नवीनतम रिलीज शेरनी में उन्होंने एक ईमानदार वन अधिकारी की भूमिका निभाई हैं, जो पितृसत्तात्मक समाज द्वारा निर्धारित सामाजिक बाधाओं और अपने विभाग के भीतर अभावग्रस्त रवैये से जूझ रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह अपने चरित्र से कुछ हासिल करती हैं या वे उन्हें किसी भी तरह से शिक्षित करते हैं, विद्या ने आईएएनएस से कहा, हां बिल्कुल। यह ऐसा है जैसे आप किसी अन्य व्यक्ति के साथ बातचीत करने के बाद हमेशा कुछ वापस पाते हैं। यह वही है। आप इस व्यक्ति के रहते हैं। डेढ़ महीने या दो या शायद अधिक के लिए जीवन क्योंकि आप उससे पहले तैयारी शुरू कर देते हैं। 42 वर्षीय अभिनेत्री का कहना है कि किसी किरदार से प्रभावित नहीं होना मुश्किल है। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि, इसलिए, मैं लगभग चार महीने तक एक ही किरदार के साथ रहती हूं। इसलिए, उस चरित्र को आप पर प्रभाव नहीं पड़ने देना मुश्किल है। मुझे लगता है कि कभी-कभी, आप यह स्पष्ट कर सकते हैं कि पात्रों ने आपके जीवन को कैसे छुआ या आपको बदल दिया और कभी-कभी आप नहीं कर सकते मेरे लिए यह हमेशा बदलता रहता है।

सारा अली खान की मोनोक्रोम सीरीज की हर ओर चर्चा

बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान की ताजा तस्वीरों की हर कोई चर्चा कर रहा हैं। डीवा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर मोनोक्रोम तस्वीरों की एक चेन पोस्ट की, जो कि एक झालरदार स्कर्ट के साथ एक काले रंग की ब्रालेट पहने हुए थी। उनके कपड़े लक्ष्मी लेह द्वारा डिजाइन किया गए है और स्टार की तस्वीर रोहन श्रेष्ठ ने ली है। इस तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा है, काश कभी यू हो ना हसरते ना जूनून हो तेरा ख्याल हो और तू हो दिल में बस सुकू हो। उन्होंने देव आनंद अभिनीत तीन देवियां के गाने ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत के साथ अपनी इंस्टा स्टोरीज पर शूट की एक छोटी क्लिप भी पोस्ट की।

हिना खान ने फिल्म लाइंस को लेकर अपना उत्साह साझा किया

हिना खान का हालिया गाना वीडियो बारिश 25 करोड़ हिट्स को पार कर गया है और अब उनकी फिल्म लाइंस का पहला गाना झेलम दे दरिया सूफी गायक और कवि रोहिल भाटिया द्वारा रचित और यश चौधरी द्वारा गाया गया है। अभिनेत्री ने इस फिल्म में एक कमजोर लड़की, नाज़िया की मुख्य भूमिका निभाई है, जिसकी शादी कश्मीर की सीमा के पार होती है। कहानी इस बात के इर्द-गिर्द घूमती है कि कैसे सीमा पर तनाव युगल के बीच रिश्ते में एक बाधा बन जाता है।

हिना खान अपना उत्साह और अनुभव साझा करते हुए कहती हैं, इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना वास्तव में सौभाग्य की बात है। इस फिल्म और विशेष रूप से इस गाने की शूटिंग के दौरान मुझे बहुत सारे अद्भुत अनुभव हुए हैं। मैं बस दर्शकों की प्रतिक्रिया देखने के लिए इंतजार कर रही हूं। उनसे अपार प्यार और समर्थन मिलने की उम्मीद है। फिल्म को राहत काजमी, तारिक खान, जेबा साजिद और राज कुशवाहा ने प्रोड्यूस किया है। यह जम्मू और कश्मीर में सीमा के दोनों ओर रहने वाले लोगों के जीवन पर आधारित है। यह फिल्म पुंछ पर आधारित है, जो एक ऐतिहासिक शहर है और सीमा पर विभाजित है। फिल्म में हिना खान के साथ फरीदा जलाल, ऋषि भूटानी और अहमर हैदर जाहिद कुरैशी भी हैं। यह फिल्म वूटसेलेक्ट पर रिलीज हुई है।

मल्लिका शेरावत ने फिर ठुकराया 'बिग बॉस' का ऑफर!

रियलिटी शो 'बिग बॉस 15' का जल्द आगाज होने जा रहा है। इस बार यह शो पहले ओटीटी प्लेटफॉर्म वूट पर शुरू होगा, जिसे 'बिग बॉस ओटीटी' नाम दिया गया है। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इस शो को करण जौहर होस्ट करते नजर आएंगे। यह शो 6 हफ्तों तक ओटीटी प्लेटफॉर्म पर टेलीकास्ट होगा।

वहीं अब शो में हिस्सा लेने वाले सेलेब्रिटीज के नामों को लेकर भी चर्चा होने लगी है। कई सितारों के नाम बिग बॉस ओटीटी में पार्टिसिपेट करने के लिए सामने आ रहे है। इन्हीं में से एक नाम बॉलीवुड की हॉट अदाकारा मल्लिका शेरावत का भी है।

खबर आ रही है कि बिग बॉस के मेकर्स मल्लिका शेरावत को शो में हिस्सा लेने के लिए अप्रोच किया है। बताया जा रहा है कि मल्लिका को शो में 6 हफ्ते तक रुकना था और उन्हें बतौर कंटेस्टेंट शो का हिस्सा बनना था। बिग बॉस के घर में उनके पास स्पेशल पावर्स भी होती।

ताजा खबरों की माने तो मल्लिका शेरावत ने इस शो का हिस्सा बनने से साफ इनकार कर दिया है। बताया जा रहा है कि मल्लिका शो तो करना चाहती थीं लेकिन वह शो की कंटेस्टेंट नहीं बनना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने शो करने से मना कर दिया।

यह पहली बार नहीं है जब मल्लिका शेरावत ने बिग बॉस का ऑफर ठुकराया हो। इससे पहले उन्हें बिग बॉस 13 के लिए अप्रोच किया गया था। उन्हें घर की मालकिन के तौर पर शो में एंट्री लेने के लिए न्योता दिया गया था। मल्लिका के इनकार के बाद मेकर्स ने शो में अमीषा पटेल को घर की मालकिन बनाया था।

बता दें कि बिग बॉस के पहले छह हफ्ते वूट पर दिखाए जाएंगे, इसके बाद यह शो टेलीविजन की ओर रुख करेगा। खबरों के अनुसार शो जब टीवी पर प्रसारित किया जाने वाला होगा उस दौरान इस शो में से 8 कंटेस्टेंट को एविक्ट किया जाएगा और सिर्फ 4 कंटेस्टेंट को टीवी के शो में एंट्री मिलेगी। हर एविक्शन के बाद इस शो में एक वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट की एंट्री भी होगी।

सोने में 294 रुपए की तेजी और चांदी में 170 रुपए की गिरावट

नई दिल्ली: सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोना 294 रुपए की तेजी के साथ 47,442 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। सोने का पिछला बंद भाव 47,148 रुपए प्रति 10 ग्राम था। इसके विपरीत, चांदी की कीमत 170 रुपए की गिरावट के साथ 66,274 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई। इसका पिछला बंद भाव 64,444 रुपए था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना लाभ दर्शाता 1,830 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 25.57 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रहा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल के अनुसार, ''एफओएमसी की बैठक के बाद डॉलर की बिकवाली आने से सोने में जोरदार लिवाली देखी गई। डॉलर सूचकांक गिरकर चार सप्ताह के निम्न स्तर को छू गया जिससे सोने में लिवाली बढ़ गई।'' विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में सुबह के कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया अपरिवर्तित रुख के साथ खुला और बाद में डॉलर के मुकाबले रुपए में चार पैसे का सुधार आया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशल सर्विसेज के जिंस शोध विभाग के उपाध्यक्ष नवनीत दमानी ने कहा, ''अमेरिकी फेडरल गवर्नर द्वारा ब्याज दर में वृद्धि के संदर्भ में आशंकाओं पर पानी फेरने और नरमी का रुख अख्तियार करने से सुरक्षित निवेश के विकल्प के बतौर सोने की मांग बढ़ गई जिससे सोने में तेजी रही और यह करीब दो माह के सबसे अधिक साप्ताहिक लाभ हासिल करने की ओर अग्रसर है।

योजना शुरू होने के बाद से पीएमकेवीवाई के तहत 1.37 करोड़ उम्मीदवारों का नामांकन : सरकार

नयी दिल्ली, सरकार ने शुक्रवार को कहा कि 1.37 करोड़ उम्मीदवारों ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के शुरु होने के बाद से इस वर्ष 10 जुलाई तक इस योजना के तहत अपना नामांकन कराया है। यह योजना, 700 से अधिक जिलों और 37 क्षेत्रों में लागू है। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इस योजना के तहत इस अवधि में करीब 1.29 करोड़ उम्मीदवार प्रशिक्षित/उन्मुख हैं। उन्होंने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''पीएमकेवीवाई के तहत, 10 जुलाई, 2021 तक, इस योजना के शुरू होने के बाद से 700 से अधिक जिलों में 137 लाख उम्मीदवारों का नामांकन किया गया है।'' स्किल इंडिया मिशन का उद्देश्य कौशल विकास के माध्यम से भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना है। स्किल इंडिया मिशन के तहत, मंत्रालय अपनी प्रमुख योजना पीएमकेवीवाई को लागू कर रहा है जिसके दो घटक हैं - अल्पावधिक प्रशिक्षण (एसटीटी) और पहले से प्राप्त जानकारी की शिनाख्त (रिकॉग्निशन ऑफ प्रायर लर्निंग) या (आरपीएल)। उन्होंने कहा कि 10 जुलाई तक 10,641 करोड़ रुपये के बजटीय आवंटन के मुकाबले 8,805.82 करोड़ रुपये का खर्च किया गया है। उन्होंने एक अन्य जवाब में कहा कि पीएमकेवीवाई के तीसरे चरण के तहत, देश भर में आठ लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है।

भारत ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का निलंबन 31 अगस्त तक बढ़ाया

नई दिल्ली। भारत ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ान संचालन पर निलंबन 31 अगस्त तक बढ़ा दिया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से जारी सकरुलर में कहा गया है कि 26 जून, 2020 के परिपत्र के आंशिक संशोधन में, सक्षम प्राधिकारी ने उपरोक्त विषय पर जारी किए गए परिपत्र की वैधता को और बढ़ा दिया है। सकरुलर में कहा गया है कि प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय ऑल-कार्गो संचालन और विशेष रूप से डीजीसीए द्वारा अनुमोदित उड़ानों पर लागू नहीं होगा।हालांकि, मामले के आधार पर सक्षम प्राधिकारी द्वारा चयनित मार्गों पर अंतरराष्ट्रीय अनुसूचित उड़ानों की अनुमति दी जा सकती है।कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन के कारण 25 मार्च, 2020 को यात्री हवाई सेवाओं को निलंबित कर दिया गया था। घरेलू उड़ान सेवाएं, हालांकि, 25 मई, 2020 से फिर से शुरू हो गई थी।

सरकार बोली- पीपीपी मॉडल से मौजूदा यात्री ट्रेनें नहीं होगीं प्रभावित

नई दिल्ली:

सरकार ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय रेल ने सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के जरिए 12 'क्लस्टरों' पर 151 रेलगाड़ियों (रेक) को चलाने के लिए निजी भागीदारी की खातिर बोलियां आमंत्रित की हैं। इसके साथ ही सरकार ने स्पष्ट किया कि पीपीपी माध्यम से ट्रेनों के परिचालन से मौजूदा यात्री गाड़ी सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। रेल मंत्री ने कहा, '' क्षमता में कमी के कारण 2019-20 में प्रतीक्षा सूची यात्रियों की संख्या में लगभग पांच करोड़ की कमी पायी गई। इस कमी को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल वंदे भारत, तेजस, एलएचबी, विस्टाडोम आदि प्रकार के सवारी डिब्बों का उत्पादन पहले से ही बढ़ा रही है।'' वैष्णव ने कहा कि रेलवे ने पीपीपी माध्यम से 151 रेलगाड़ियों को चलाने के लिए निजी भागीदारी हेतु बोलियां आमंत्रित की हैं तथा मौजूदा यात्री गाड़ी सेवाएं पीपीपी माध्यम से गाड़ी सेवाओं के परिचालन से प्रभावित नहीं होंगी और ये सेवाएं मौजूदा गाड़ी सेवाओं के अतिरिक्त होंगी। पीपीपी परियोजना के लिए सभी 12 क्लस्टरों की खातिर वित्तीय बोलियां 23 जुलाई 2020 को खोली गईं। उन्होंने कहा कि बोली प्रक्रिया के जरिए चयनित रियायत पाने वाले को मसौदा रियायत करार के अनुसार नियुक्ति की तारीख से 930 दिनों की अवधि के भीतर गाड़ी का प्रोटोटाइप चालू करना अपेक्षित होगा।

आयकर विभाग ने 26 जुलाई तक 43,991 करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए

नई दिल्ली:

आयकर विभाग ने शुक्रवार को कहा कि उसने चालू वित्त वर्ष में 43,991 करोड़ रुपए करदाताओं को रिफंड किए हैं। इसमें व्यक्तिगत आयकर मद में 13,341 करोड़ रुपए और कंपनी कर मद में 30,651 करोड़ रुपए की राशि वापस की गई। आयकर विभाग ने ट्विटर पर कहा है, 'केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने एक अप्रैल, 2021 से 26 जुलाई, 2021 के बीच 21.03 लाख से अधिक करदाताओं के 43,991 करोड़ रुपए लौटाए हैं। इसमें 19,89,912 व्यक्तिगत आयकरदाताओं को 13,341 करोड़ रुपए और कंपनी कर के तहत 1,12,567 इकाइयों को 30,651 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

सरकार ने विनिवेश मंजूरी वाले सार्वजनिक तेल उपक्रमों में 100% FDI की अनुमति दी

नई दिल्ली: सरकार ने बृहस्पतिवार को सार्वजनिक क्षेत्र के ऐसे तेल एवं गैस उपक्रमों में स्वतः स्वीकृत मार्ग से 100 प्रतिशत विदेशी निवेश की अनुमति दी है जिन्हें रणनीतिक विनिवेश के लिए सैद्धांतिक मंजूरी प्राप्त है। इस कदम से देश के दूसरी सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) के निजीकरण का रास्ता साफ होगा। सरकार बीपीसीएल का निजीकरण कर रही है और उसमें अपनी पूरी 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रही है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के प्रेस नोट के अनुसार तेल एवं प्राकृतिक गैस क्षेत्र के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को लेकर एक नया उपबंध जोड़ा गया है। इसमें कहा गया है, ''यदि सरकार ने किसी सार्वजनिक उपक्रम के रणनीतिक विनिवेश के लिए 'सैद्धांतिक' मंजूरी दी है, तो स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत तक विदेशी निवेश की अनुमति है।'' इस संदर्भ में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह निर्णय किया। बीपीसीएल में सरकार की पूरी 52.98 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए प्रारंभिक रुचि पत्र (ईओआई) देने वाली तीन कंपनियों में से दो विदेशी हैं। सार्वजनिक उपक्रम प्रवर्तित तेल रिफाइनरियों में एफडीआई की सीमा 49 प्रतिशत बनी रहेगी। यह सीमा मार्च 2008 में निर्धारित की गई थी। सरकार फिलहाल केवल बीपीसीएल में हिस्सेदारी बेच रही है। देश की सबसे बड़ी तेल रिफाइनिंग तथा विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ही अब सरकार के प्रत्यक्ष नियंत्रण में है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) अब सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन की अनुषंगी है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही वित्तीय और धातु शेयरों में हुई बिकवाली से बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 66.23 अंक करीब 0.13 फीसदी नीचे आकर 52,586.84 अंक पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 15.40 अंक तकरीबन 0.10 फीसदी फिसलकर 15,763.05 अंक पर बंद हुआ। जानकारों के अनुसार बिकवाली से अधिकतर समय बाजार सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। कमजोर वैश्विक रुख को देखते हुए ही निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाना ही बेहतर समझा। कारोबार के दौरान अंतिम समय में बिकवाली हावी रही।

सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.5 फीसदी से अधिक नुकसान बजाज फाइनेंस के शेयरों में रहा। इसके अलावा, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और एक्सिस बैंक के शेयरों में भी मुख्य रूप से गिरावट हावी रही। वहीं दूसरी तरफ, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, पावर ग्रिड, बजाज ऑटो, एनटीपीसी और एचसीएल टेक समेत अन्य कंपनियों के शेयर लाभ में रहें। सन फार्मा के शेयर में 10 फीसदी का उछाल आया। कंपनी का शुद्ध लाभ जून तिमाही में 1,444.17 करोड़ रुपये रहने से इसमें तेजी आयी है।

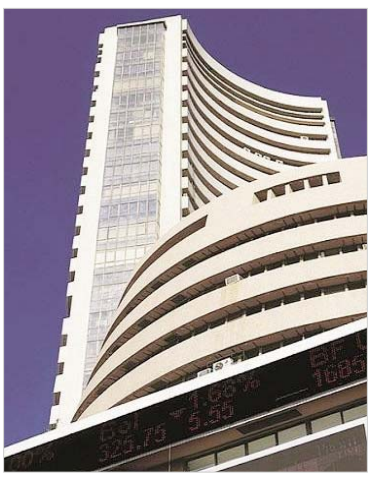

क्रोमबुक की दूसरी तिमाही में 11.9 मिलियन यूनिट शिपमेंट तक पहुंची

नई दिल्ली।

क्रोमबुक ने दूसरी तिमाही (क्यू2) में पीसी उत्पाद श्रेणियों के बाकी हिस्सों से बेहतर प्रदर्शन करना जारी रखा है, जिसमें 75 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि और वैश्विक स्तर पर 11.9 मिलियन यूनिट की शिपमेंट मात्रा दर्ज की गई। एचपी ने दूसरी तिमाही में 4.3 मिलियन यूनिट के शिपमेंट और 116 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पोल की स्थिति बनाए रखी। शोध फर्म कैनालिस के मुताबिक, लेनोवो ने 2.6 मिलियन यूनिट्स के साथ एक साल पहले की तुलना में 82 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ दूसरा स्थान हासिल किया और एसर ने 83 फीसदी की वृद्धि के साथ शीर्ष-तीन स्थान हासिल किया है, जो इसे शिपमेंट में 1.8 मिलियन यूनिट से ऊपर है। डेल और सैमसंग ने शेष शीर्ष पांच में जगह बनाई, जिसमें पूर्व एकमात्र प्रमुख विक्रेता था जिसे शिपमेंट में गिरावट का सामना करना पड़ा। कैनालिस के शोध विश्लेषक ब्रायन लिंच ने कहा, क्रोमबुक की सफलता उल्लेखनीय रूप से लचीला साबित हो रही है। उनकी वृद्धि की लकीर महामारी की ऊंचाई से भी आगे बढ़ गई है, क्योंकि उन्होंने उद्योग में सभी अंतिम-उपयोगकर्ता क्षेत्रों में एक स्वस्थ स्थिति को मजबूत किया है। एजुकेशन स्पेस पर क्रोम की पकड़ अपेक्षाकृत सुरक्षित होने के साथ, गूगल इस साल कमर्शियल सेगमेंट में बड़ा दांव लगाने के लिए तैयार है। लिंच ने कहा, हालांकि, एप्पल अपनी एम1 सफलता को कमर्शियल स्पेस में विस्तारित करने और माइक्रोसॉफ्ट द्वारा इस साल के अंत में विंडोज 11 लॉन्च करने के साथ, पीसी ओएस की दौड़ सबसे अधिक गर्मागर्म होने वाली है। टैबलेट के क्षेत्र में, ऐप्पल ने अपेक्षाकृत सपाट प्रदर्शन के लिए 14.2 मिलियन आईपैड के साथ रैंकिंग में अपनी नेतृत्व की स्थिति बनाए रखी। सैमसंग बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि के मामले में एक बड़ा विजेता था क्योंकि उसने टैबलेट शिपमेंट में 13.8 प्रतिशत की वृद्धि की और 8 मिलियन यूनिट शिप की। लेनोवो ने शीर्ष पांच में से 78 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि का आनंद लिया, 4.7 मिलियन यूनिट की शिपिंग की। कैनालिस के अनुसार, अमेजॅन और हुआवेई ने शेष नेताओं को बनाया। कैनालिस के शोध विश्लेषक हिमानी मुक्का ने कहा, टैबलेट बाजार ने वास्तव में धीमी गति से सभी पूर्वानुमानों पर विराम लगा दिया है। कुल पीसी बाजार (डेस्कटॉप, नोटबुक और टैबलेट सहित) में, लेनोवो ने एक बार फिर सर्वोच्च शासन किया, 23 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि के साथ इसे 24.7 मिलियन यूनिट भेज दिया। 20.6 मिलियन यूनिट के कुल शिपमेंट के लिए 5 प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ एप्पल दूसरे स्थान पर रहा। एचपी ने 18.6 मिलियन यूनिट के शिपमेंट के साथ शीर्ष विक्रेताओं में सबसे कम वृद्धि देखी गई है।

जून में कोर सेक्टर की ग्रोथ घटकर 8.9फीसदी पर आई, अप्रैल और मई में डबल डिजिट ग्रोथ थी

नई दिल्ली:

आठ अहम इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर्स की ग्रोथ जून 2021 में कमजोर रही है। इससे पहले के दो महीनों मई और अप्रैल में कोर सेक्टर की ग्रोथ डबल डिजिट में थी लेकिन जून महीने में यह घटकर 8.9 फीसदी पर आ गया है। इस साल मई में कोर सेक्टर की ग्रोथ 16.3 फीसदी थी। इससे पहले अप्रैल में कोर सेक्टर की ग्रोथ लो बेस इफेक्ट के कारण 60.9 फीसदी थी। भारत के 8 अहम इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में कोल, क्रूड ऑयल और इलेक्ट्रिसिटी की हिस्सेदारी 40 फीसदी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, फिस्कल ईयर 2022 की जून तिमाही के दौरान इन सेक्टर्स की ग्रोथ साल-दर-साल आधार पर 25.3 फीसदी बढ़ा है। इसके अलावा रिफाइनरी आउटपुट और स्टील प्रोडक्शन की ग्रोथ में कमी आई है। मई 2021 में इन दोनों सेक्टर की ग्रोथ डबल डिजिट में थी लेकिन इस बार इनमें कमी आ गई है। हालांकि इस दौरान फर्टीलाइजर के प्रोडक्शन में इजाफा हुआ है। इस साल मार्च में इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर की ग्रोथ 12.6 फीसदी थी जबकि अनुमान 6.8 फीसदी का था।

IMF ने घटाया अनुमान

टरनेशनल मॉनेटरी फंड (IMF) ने मौजूदा फाइनेंशियल ईयर के लिए देश की ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट (GDP) ग्रोथ का अनुमान 12.5 प्रतिशत से घटाकर 9.5 प्रतिशत कर दिया है। इसके लिए IMF ने कोरोना की दूसरी लहर फैलने के कारण हुए नुकसान का कारण बताया है। कोरोना की दूसरी लहर से इकोनॉमी को बड़ा झटका लगा है और डिमांड में काफी कमी आई है। IMF ने अपनी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा है, 'मार्च के मध्य में कोरोना की दूसरी लहर से फैलने के बाद देश में ग्रोथ की संभावनाएं कम हुई है। इससे बिजनेस कॉन्फिडेंस भी बहुत कमजोर हुआ है।'

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने पहली तिमाही से तीन गुना शुद्ध लाभ में वृद्धि की

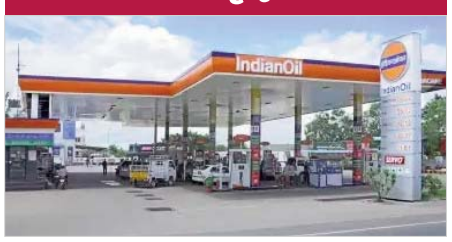

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक क्षेत्र की रिफाइनरी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने शुक्रवार को उच्च इन्वेंट्री लाभ और बेहतर पेट्रोकेमिकल मार्जिन के कारण अपनी पहली तिमाही के स्टैंडअलोन शुद्ध लाभ में तीन गुना से अधिक की वृद्धि के साथ 5,941 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2021 की अप्रैल-जून तिमाही में केवल 1,911 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण बड़े इन्वेंट्री नुकसान हुए थे। वित्तीय वर्ष 22 की पहली तिमाही में इंडियनऑयल के संचालन से राजस्व 1,55,056 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2015 की इसी तिमाही में यह 88,939 करोड़ रुपये था। कंपनी की वित्तीय स्थिति पेश करते हुए, इंडियनऑयल के अध्यक्ष, एसएम वैद्य ने कहा, इंडियनऑयल ने वित्तीय वर्ष 2021-22 की पहली तिमाही के दौरान निर्यात सहित 20,325 मिलियन टन उत्पाद बेचे। 2021-22 की पहली तिमाही के लिए हमारा रिफाइनिंग थ्रूपुट 16.719 मिलियन टन है और इसी अवधि के दौरान निगम के देशव्यापी पाइपलाइन नेटवर्क का थ्रूपुट 19.875 मिलियन टन है। वर्ष की पहली तिमाही के दौरान सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यूएस डॉलर (1.98) प्रति बैरल की तुलना में 6.58 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल रहा है।

वैद्य ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद तेल धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है और डीजल की बिक्री इस साल दिवाली तक पूर्व-कोविड स्तर पर लौट सकती है, जबकि रिफाइनरी एक और तिमाही में 100 प्रतिशत के स्तर तक बढ़ सकती है।

शैलेश जेजुरिकर को प्रॉक्टर एंड गैंबल का ग्लोबल सीओओ नियुक्त किया गया

नई दिल्ली।

दुनिया की सबसे बड़ी कंज्यूमर गुड्स कंपनी प्रॉक्टर एंड गैंबल (पीएंडजी) ने शैलेश जेजुरिकर को ग्लोबल सीओओ नियुक्त करने की घोषणा की है। वह पहले भारतीय हैं जिनको यह पद दिया गया है।यह सीईओ स्तर पर एफएमसीजी प्रमुख द्वारा किए गए बदलाव के अनुरूप है, जिसमें जॉन मोलर डेविड टेलर से पदभार ग्रहण कर रहे हैं। शैलेश जेजुरिकर को इस साल 1 अक्टूबर से कंपनी का सीओओ नियुक्त किया जाएगा। उनकी नियुक्ति आगे पी एंड जी इंडिया के लिए अच्छी खबर सुनिश्चित करती है क्योंकि भारत वैश्विक स्तर पर पी एंड जी के लिए एक प्रतिभा कारखाना रहा है और वैश्विक स्तर पर पी एंड जी के लिए शीर्ष प्रतिभाओं का सबसे बड़ा निर्यातक है। कंपनी भर में लगभग 350 भारतीय प्रवासी हैं। सीओओ के रूप में, शैलेश के पास पी एंड जी के एंटरप्राइज मार्केट्स (लैटिन अमेरिका, भारत, मध्य पूर्व, अफ्रीका, दक्षिण पूर्व एशिया और पूर्वी यूरोप) के लिए लाभ और हानि की जिम्मेदारी होगी। वह कंपनी के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, वैश्विक व्यापार सेवाओं, बिक्री, बाजार संचालन, नए व्यवसाय, खरीद, विनिर्माण और वितरण प्रयासों का भी नेतृत्व करेंगे। वर्तमान में, शैलेश प्रॉक्टर एंड गैंबल के सबसे बड़े व्यावसायिक क्षेत्र, फैब्रिक एंड होम केयर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं, जिसमें पी एंड जी के कई सबसे प्रतिष्ठित ब्रांड शामिल हैं, टाइड, एरियल, डाउनी, गेन, फ्रीज, स्विफर। इस भूमिका में, शैलेश ने उद्योग-अग्रणी परिणाम देने और नवाचार (आर एंड डी), एक सिंक्रनाइज ई2ई आपूर्ति श्रृंखला, ब्रांड-निर्माण और बिक्री के माध्यम से मूल्य निर्माण में टीम का नेतृत्व किया है। शैलेश के व्यापक पी एंड जी करियर ने विकसित और विकासशील दोनों क्षेत्रों (उत्तरी अमेरिका, यूरोप, एशिया और अफ्रीका) में कई व्यवसायों (स्वास्थ्य और सौंदर्य देखभाल, होम केयर, फैब्रिक केयर और पी एंड जी प्रोफेशनल) को फैलाया है।

गुजरात की लिफ्टों में सुरक्षा संहिता की चेतावनीजनक अनुपस्थिति

लिफ्ट और एस्केलेटर सेफ्टी ट्रस्ट (ईईएसटी 2008 में स्थापित एक गैर-लाभकारी औद्योगिक संगठन है) का अनुमान है कि देश में 170 मिलियन लोग दिन में लगभग 100 मिलियन बार लिफ्ट और एस्केलेटर का उपयोग करते हैं। ईईएसटी के संस्थापक सदस्य और टीएके कंसल्टिंग के टीएके मैथ्यूज के अनुसार, लॉकडाउन ने अधिकांश आवासीय और व्यावसायिक ऊंची इमारतों में लिफ्ट के रखरखाव और सेवा के प्रदर्शन को प्रभावित किया है। खराब गुणवत्ता वाले उपकरण, भार क्षमता की अवैज्ञानिक गणना और निर्माण विशेषज्ञों द्वारा दोषपूर्ण स्थापना से बड़ी आपदाएं होने की संभावना है।

टीएके मैथ्यूज ने आगे कहा कि लिफ्ट और एस्केलेटर से होनेवाली दुर्घटनाओं की वार्षिक संख्या दो अंकों में है और घायलों की संख्या हजारों में है। खराब गुणवत्ता वाले उपकरण और सामान्य सुरक्षा मानकों और लिफ्ट के लिए कोड का अनुपालन न करने के अलावा, अपर्याप्त रखरखाव मानव और उपकरण दोनों के लिए खतरनाक है।

लिफ्ट और एस्केलेटर सेफ्टी ट्रस्ट (ईएसटी) ने गुजरात के मुख्यमंत्री से राज्य में लिफ्ट और एस्केलेटर की सुरक्षा के लिए भारतीय मानकों और कोड के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की अपील की है। ईईएसटी के अलावा, वैश्विक उद्योग विशेषज्ञों का एक समूह दिसंबर, 2021 में मुंबई में लिफ्ट और एस्केलेटर के लिए अंतर्राष्ट्रीय सोर्सिंग प्रदर्शनी के संगठन का समन्वय कर रहा है। गुजरात में लिफ्ट और एस्केलेटर क्षेत्र में सुधार के लिए, ईईएसटी ने अपनी विशेषज्ञता और अनुभव के माध्यम से राज्य सरकार को हर संभव सहायता की पेशकश की है।

लिफ्ट और एस्केलेटर की स्थापना और रखरखाव के लिए नियमों के अनुपालन की प्रक्रिया और निगरानी प्राधिकरण की घोषणा अनिवार्य है। राज्य भर में सुरक्षा नियमों के अप्रभावी कार्यान्वयन की कई घटनाएं हुई हैं। यात्रियों की सुरक्षा का ख्याल रखना और इसे

Sports

कम स्कोर वाली पिचों पर खेलना सीखना होगा - द्रविड़

कोलंबो। श्रीलंका के खिलापफ तीसरे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम की हार के बाद कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि युवा बल्लेबाजों को समझना होगा कि सभी विकेट सपाट नहीं होती इसलिए उन्हें कम स्कोर वाली पिचों पर खेलना भी आना चाहिये। ऋणाल पांड्या के कोरोना संक्रमित होने के कारण भारतीय टीम के नौ मुख्य खिलाड़ी इस मैच में नहीं खेल पाये। द्रविड़ ने कहा कि इसके बाद भी वह निराश नहीं हैं। उन्होंने कहा ,'' मैं निराश नहीं हूं क्योंकि वे सभी युवा है। वे अनुभव से सीखेंगे। इस तरह के हालात और गेंदबाजी का सामना करने से ही वे भविष्य के लिए अनुभव हासिल करेंगे। साथ ही कहा कि श्रीलंकाई टीम की गेंदबाजी बहुत अच्छी रही है।'' उन्होंने कहा ,'' वे कुछ और रन बनाना चाहते होंगे। उन्हें यह भी सीखने को मिला कि हर पिच सपाट नहीं होगी। हमें इस प्रकार की पिचों पर 130 से 140 रन बनाना सीखना होगा।'' द्रविड़ ने कहा ,'' युवा खिलाड़ियों को इस सीरीज में काफी कुछ सीखने को मिला है। वे अपने प्रदर्शन का आत्ममंथन करके ही आगे बेहतर रणनीति बना सकेंगे।''

ओलंपिक (बैडमिंटन)

सिंधु ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

टोक्यो।

भारत की महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने यहां चल रहे टोक्यो ओलंपिक में महिला एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है।रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सिंधु ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए चौथी सीड यामागुची को 56 मिनट तक चले मुकाबले में 21-13, 22-20 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। छठी सीड सिंधु ने यामागुची के खिलाफ पहला गेम आसानी से जीता लेकिन दूसरे गेम में उन्हें यामागुची से कड़ी टक्कर मिली। एक समय यामागुची ने बढ़त भी बना ली थी और ऐसा लग रहा था कि यह मैच तीसरे गेम तक जाएगा। हालांकि, सिंधु ने बिना देरी किए वापसी की और लगातार अंक लेकर मैच खत्म कर दिया। एक समय सिंधु 18-20 से पीछे चल रही थीं लेकिन उन्होंने आक्रामक खेल का प्रदर्शन कर चार अंक बटोरे। सिंधु यामागुची के खिलाफ अपने प्रदर्शन से खुश हैं लेकिन उनका ध्यान अगले मैच पर केंद्रित है। सिंधु ने कहा, मैं खुश हूं लेकिन यह अभी खत्म नहीं हुआ है। मुझे वापस जाकर आराम करने के बाद अगले मैच के लिए तैयार होना है। मैं खुश हूं लेकिन मुझे अगले मैच की तैयारी करनी है। उन्होंने कहा कि दूसरा गेम महत्वपूर्ण था क्योंकि यामागुची ने मजबूती से वापसी की थी। सिंध ने बीडब्ल्यूएफ ने कहा, कई लंबी रैली होती है। दूसरा गेम बहुत जरूरी था। मैं लीड कर रही थी लेकिन यामागुची ने वापसी की जिससे मैं रिलेक्स नहीं कर पा रही थी। मेरी तरफ से भी कुछ गलतियां हुई। मैं हालांकि नर्वस नहीं हुई।

ओलंपिक (टेनिस): जोकोविच का गोल्डन स्लैम का सपना टूटा, सेमीफाइनल में मिली हार

टोक्यो।

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच को यहां चल रहे टोक्यो ओलंपिक में पुरुष एकल वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में जर्मनी के एलेक्सजेंडर ज्वेरेव के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही उनका गोल्डन स्लैम हासिल करना का सपना टूट गया है। 20 ग्रैंड स्लैम के विजेता जोकोविच को विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर मौजूद ज्वेरेव ने दो घंटे तीन मिनट तक चले मुकाबले में 1-6, 6-3, 6-1 से हराया और फाइनल मुकाबले में प्रवेश कर लिया। जोकोविच ने ज्वेरेव के खिलाफ पहला सेट आसानी से जीता लेकिन ज्वेरेव ने दूसरे सेट में वापसी की और जोकोविच को पछाड़ा। फिर तीसरे सेट में ज्वेरेव ने अपने प्रदर्शन से जोकोविच को स्तब्ध किया और उन्हें वापसी का कोई मौका नहीं देते हुए तीसरा सेट भी अपने नाम कर जीत हासिल की। ज्वेरेव ने पहली सर्विस से 71 फीसदी अंक लिए जबकि सर्बियाई खिलाड़ी चारों प्रायस में विफल रहे। जोकोविच ने मुकाबले में सात बेजां भूलें की जबकि ज्वेरेव ने तीन बेजां भूलें की। जोकोविच ने इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और विंबलडन का खिताब जीता था। जोकोविच की नजरें पहला ऐसा टेनिस खिलाड़ी बनने पर थी जिसने एक ही सीजन में चार ग्रैंड स्लैम और ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता है। हालांकि, उनकी यह उम्मीद इस हार के साथ ही टूट गई। ज्वेरेव का स्वर्ण पदक मुकाबले में सामना रूस ओलंपिक समिति (आरओसी) के कारेन काचानोव से होगा। काचानोव ने एक अन्य सेमीफाइनल में स्पेन के पाब्लो कारेनो बुस्ता को 6-3, 6-3 से हराया।

ओलंपिक (टेनिस) - मैकटिक और पाविच ने जीता पुरुष युगल वर्ग का स्वर्ण

टोक्यो।

क्रोएशियाई जोड़ी निकोला मैकटिक और मैट पाविच ने यहां चल रहे टोक्यो ओलंपिक में मारिन किलिच और इवान डोडिग को हराकर पुरुष युगल वर्ग में स्वर्ण पदक जीत लिया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मैकटिक और पाविच ने पहले सेट में 6-4 की बढ़त ली लेकिन किलिच और डोडिग ने दूसरा सेट 6-3 से अपने नाम किया। हालांकि, मैकटिक और पाविच ने तीसरा सेट 10-6 से अपने नाम कर जीत हासिल की। इस वर्ग का कांस्य पदक न्यूजीलैंड की जोड़ी मार्कस डेनियल और माइकल वीनस ने अमेरिकी जोड़ी ऑस्टिन क्राजीकेक और टेनिज सांद्रेग्रेन को 7-6(3), 6-2 से हराकर जीता।

टोक्यो ओलिंपिक : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जापान को 5-3 से हराया

टोक्यो।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलिंपिक में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए अंतिम पूल मैच में मेजबान टीम जापान को 5-3 से हरा दिया। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से गुरजंत ने दो गोल, जबकि हरमनप्रीत सिंह, शमशेर और नीलकांत शर्मा ने एक-एक गोल किया। भारतीय टीम इस मैच में आक्रामक अंदाज में उतरी जिससे मेजबान टीम पर दबाव बन गया। मैच के पहले क्वॉर्टर में भारत ने अच्छी शुरुआत करते हुए 12वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। भारतीय टीम की ओर से हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर यह गोल किया। इस क्वॉर्टर में भारतीय टीम का दबदबा बना रहा। वहीं दूसरे क्वॉर्टर के 17वें मिनट में गुरजंत ने सिमरनजीत सिंह के पास पर मैदानी गोल कर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। इसके बाद जापान ने भी बराबरी के प्रयास करते हुए हमले शुरु कर दिये। 19वें मिनट में केंटा टनाका ने जापान की ओर से पहला गोल किया। हाफ टाइम तक भारत की 2-1 की बढ़त बनी रही। तीसरे क्वॉर्टर के 31वें मिनट में कोटा वटानबे ने मेजबान जापान की ओर से गोल कर स्कोर 2-2 से बाराबरी पर ला दिया पर उसकी ये खुशी अधिक देर तक नहीं रही किया। कुछ ही मिनट बाद भारत की ओर से शमशेर ने एक गोल कर एक बार फिर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। चौथे और आखिरी क्वॉर्टर में भारत की ओर से नीलकांत ने 51वें मिनट में गोल कर भारत को 4-2 से आगे कर दिया। भारत को 56वें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे गोल में बदलने में गुरजंत ने कोई गलती नहीं की। इस प्रकार भारतीय टीम ने 5-2 की निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। मेजबान टीम ने एक बार फिर प्रयास किया और मुराता ने 59वें मिनट में गोल कर गोल अंतर को कम कर स्कोर 5-3 कर दिया। इसके बाद बचे हुए समय में कोई टीम गोल नहीं कर पायी और भारत ने मैच पर कब्जा कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

जेटसिंथेसिस कंपनी में सचिन ने किया करोड़ों का निवेश

नई दिल्ली। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने जेटसिंथेसिस कंपनी में 20 लाख डॉलर (करीब 14.8 करोड़ रुपये) का निवेश किया है। डिजिटल मनोरंजन और तकनीकी कंपनी जेटसिंथेसिस ने कहा है कि इस निवेश के साथ ही तेंदुलकर के साथ कंपनी के संबंध और बेहतर हुए हैं। जेटसिंथेसिस पुणे की कंपनी है। दोनों के बीच पहले से ही डिजिटल क्रिकेट डेस्टिनेशन '100एमबी' और इमर्सिव क्रिकेट गेम्स - 'सचिन सागा क्रिकेट' एवं 'सचिन सागा वीआर' के लिए एक जॉइंट वेंचर है। इस करार के बाद तेंदुलकर ने कहा, 'जेटसिंथेसिस के साथ मेरे पांच साल पुराने संबंध हैं। हमने सचिन सागा क्रिकेट चैंपियंस से अपना सफर शुरू किया और इसे एक खास वर्चुअल रियलिटी क्रिकेट के अनुभव के साथ मजबूत किया। यह अपनी क्लास में सबसे लोकप्रिय गेम में शामिल है और इसे दो करोड़ से ज्यादा बार डाउनलोड किया गया है।' उन्होंने कहा कि जब यह एसोसिएशन शुरू हुई, तो इसका उद्देश्य दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों को एक ऑथेंटिक गेमिंग अनुभव देना था। अब मुझे बताया गया है कि टीम अधिक क्रॉस-श्रेणी के डिजिटल उत्पादों और प्लेटफार्मों को शामिल करने के लिए उस दायरे में विविधता लाने की कोशिश कर रही है।

विश्व कप क्वाटर फाइनल - पोलैंड के डुड़ा से हार विदित हुए बाहर

सोच्ची , रूस (निकलेश जैन) फीडे विश्व कप शतरंज के क्वाटर फाइनल मे भारत के विदित गुजराती पोलैंड के जान डुड़ा के हाथो 1.5-0.5 से हार का सामना करना पड़ा है और इसके साथ ही अब उनकी विश्व कप से विदाई हो गयी है । विदित विश्व कप के अंतिम आठ मे पहुँचने वाले भारत के अब तक के दूसरे और पिछले 15 वर्षो मे पहले खिलाड़ी है । पोलैंड के जान डूड़ा के खिलाफ पहला क्लासिकल मुक़ाबला ड्रॉ होने के बाद दूसरे मुक़ाबले मे काले मोहरो से खेल रहे विदित ने राय लोपेज ओपेनिंग मे एक बेहद ही आक्रामक खेल दिखाया और लगातार डूड़ा के राजा की ओर आक्रमण किए। खेल की 34 वीं चाल तक विदित तीन प्यादो की बढ़त पर एक घोड़े कम पर खेल रहे थे और मुक़ाबला ड्रॉ की ओर जा रहा था पर तभी उनकी हाथी की एक गलत चाल नें खेल पूरी तरह से डूड़ा के पक्ष मे मोड़ दिया और 50 चालों मे विदित को हार स्वीकार करनी पड़ी । हालांकि प्रतियोगिता मे बाहर होने के पहले विदित नें फीडे ग्रांड प्री के लिए अपना स्थान पक्का तो किया ही विश्व रैंकिंग मे वह 21 वे स्थान पर पहुँच गए है । अन्य क्वाटर फाइनल मुकाबलों मे विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें फ्रांस के एटीने बकरोट को मात देते हुए सेमी फाइनल मे जगह बना ली है और अब वह जान डूड़ा से मुक़ाबला खेलेंगे।

लोमोटिफ ने भारत के लिये अपने 'You've Been Scouted' टैलेंट सर्च के लिये पलक मुच्छल को लिया

भारत ।

लोमोटिफ ने अपनी आगामी नौ-सप्ताह तक चलने वाले ग्लोबल टैलेंट स्काउटिंग कॉम्पीटिशन 'You've Been Scouted' के लिये पलक मुच्छल को अपना भारतीय स्काउट बनाने की घोषणा की है। यह कॉम्पीटिशन 26 जुलाई से शुरू हो रहा है। खोजे जाने के समान अवसर देकर उभरते ग्लोबल टैलेंट को लगातार प्रस्तुत करते हुए, लोमोटिफ उन्हें एक बार फिर अपने सबसे असली और विशुद्ध तरीके से खुद को जाहिर करने का मौका दे रहा है। इस प्रतियोगिता में बेहतरीन सिंगर्स प्रतियोगियों को निखारेंगे और उनका मार्गदर्शन करेंगे। ग्लोबल विनर को 250,000 डॉलर की खास रिकॉर्ड डील मिलेगी। साथ ही ग्रैमी अवार्ड विजेता प्रोड्यूसर, सिंगर और लिरिसिस्ट टेडी रिले के साथ एक गाना बनाने का मौका भी मिलेगा। टेडी रिले ने आइकॉनिक कलाकारों के साथ काम किया है, जैसे माइकल जैक्सन, लेडी गागा, फैरेल और बीटीएस।

प्रशंसकों की चहेती पलक मुच्छल को टैलेंट की काफी अच्छी परख है। वे देशभर से सर्वोत्तम परफॉर्मर्स को स्काउट करने में सहायता करेंगी और अपने फॉलोअर्स के बीच उन्हें प्रमोट कर उनके वोट बढ़ाएंगी। प्रतियोगियों को प्रतियोगिता के विभिन्न राउंड्स में विविधता वाली सिंगिंग करनी होगी, जबकि पलक मुच्छल उन्हें ज्यादा से ज्यादा लाइक्स/वोट्स पाने के लिये सुझाव देंगी, ताकि वे प्रतियोगिता के अंतिम चरणों में पहुँच सकें।

भारतीय स्काउट बनने के बारे में पलक मुच्छल ने कहा, ''ऐसे कॉन्सेप्ट का हिस्सा साबित करूं। मैंने यह नहीं सोचा था कि मुझे दूसरे को साबित करना है लेकिन मैं खुद को साबित करके दिखाना चाहती थी कि यही मौका है। मैंने इस मैच के लिए कुछ रणनीति नहीं बनाई थी। मुझे बहुत अच्छा लगा और खेल कर काफी मजा आया। लवलीना ने कहा, मेरा लक्ष्य स्वर्ण पदक लाना ही है और मैं उसके लिए तैयारी करूंगी। लेकिन उससे पहले मुझे सेमीफाइनल की बाधा करनी होगी। उन्होंने कहा, मैं पहले निडर नहीं थी और शुरूआत में काफी डरती थी। लेकिन जब से मैंने खुद के ऊपर विश्वास करना शुरू किया और यह सोचना बंद कर दिया लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे, तभी से मैं निडर हो गई। लवलीना ने कहा, कोरोना के कारण मेरे कुछ टूर्नामेंट मिस हुए और इस कारण प्रतियोगिताएं भी कम हो रही थी। मुझे कोरोना हुआ था जिस वजह से मैंने एक टूर्नामेंट मिस कर दिया। मैंने उस वक्त सोचा कि अगर फाइट नहीं हो रही है तो मैं कैसे तैयारी करूं। लेकिन मेरे कोच और सभी के समर्थन के कारण सबकुछ सही तरह हो सका। उन्होंने कहा कि वह मोहम्मद अली की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं और उनके कुछ ट्रिक्स को फोलो करती हैं। लवलीना ने साथ ही कहा कि छह बार की विश्व चैंपियन और 2012 लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुकीं एमसी मैरीकोम उनकी प्रेरणास्रोत्र हैं। लवलीना का सेमीफाइनल में सामना चार अगस्त को तुर्की की बुसेनाज सुरमेनेली से होगा।

चूंकि, अब लोमोटिफ पर कलाकारों के लिये वीडियोज की आसान और तेज एडिटिंग संभव है, इसलिये यह प्लेटफॉर्म हाल के समय की सबसे रोमांचक और अभिनव प्रतियोगिताओं में से एक को पेश करने के लिये पूरी तरह तैयार है। इसके अलावा, 'You've Been Scouted' में नॉमिनेशन के लिये भाग नहीं ले रहे कलाकारों को भी हैशटैग #youvebeenscouted के साथ उनके वीडियो के कमेंट्स सेक्शन में टैग कर चुने जाने का मौका मिल रहा है।

मनु भाकर, राही सरनोबत 25 मीटर पिस्टल के फाइनल में जगह बनाने में नाकाम हुए

टोक्यो।

भारत के मनु भाकर और अनुभवी राही सरनोबत शुक्रवार को असाका शूटिंग रेंज में दो दिनों के क्वालीफिकेशन के बाद क्रमश 15वें और 32वें स्थान पर रहने के बाद टोक्यो ओलंपिक खेलों की 25 मीटर पिस्टल फाइनल से बाहर हो गए। यह टोक्यो 2020 में भारतीय पिस्टल निशानेबाजों का फाइनल इवेंट था। शूटिंग में भारत का स्वर्ण सूखा, जो 2016 रियो ओलंपिक में शुरू हुआ था, टोक्यो में अब तक जारी है। देश के निशानेबाजों को अपना गौरव बचाने के लिए कुछ ही इवेंट बचे हैं। क्वालीफाइंग दौर से केवल शीर्ष आठ ही आठ निशानेबाजों के फाइनल में पहुंचे हैं। शुक्रवार को अकासा शूटिंग रेंज में निशाना लगाने से पहले, मनु गुरुवार के सटीक दौर में 292,300 के स्कोर के साथ समग्र स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर थे। दूसरी ओर, राही ने 287 अंकों के साथ अपनी रातों रात 25वें स्थान से शुरूआत की। मनु ने अपनी तीन रैपिड-फायर श्रृंखलाओं में 96, 97 और 97 फायर किए और 290,300 जमा किए। 582,600 के कुल स्कोर के साथ, वह केवल दो अंकों से अंतिम योग्यता अंक से चूक गई। दूसरी ओर, राही ने क्वालीफाइंग राउंड में 573 के संचयी स्कोर के साथ समाप्त करने के लिए रैपिड-फायर राउंड में 286 रन बनाए। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में रजत पदक विजेता बुल्गारिया की एंटोनेटा कोस्टाडिनोवा ने 590 अंकों के साथ क्वालीफाइंग में शीर्ष स्थान हासिल किया, इसके बाद चीन की जिओ जियारुइक्सुआन और आरओसी की विटालिना बत्सारशकिना ने 10 मीटर एयर पिस्टल का स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया के मिनजुंग किम फाइनल में जगह बनाने वाले आठवें निशानेबाज थे। मनु और राही के बाहर होने से ओलंपिक में भारतीय पिस्टल निशानेबाजों का अभियान खत्म हो गया है। निशानेबाजी में भारत के लिए किसी भी पदक की उम्मीद अब पुरुषों और महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन निशानेबाजों पर टिकी है।

मै स्वर्ण पदक लाना चाहती हूं : लावलीना

टोक्यो।

भारत की महिला मुक्केबाज लवलीना बोगोहेंन जिन्होंने सेमीफाइनल में जगह बनाई है, उनका कहना है कि वह देश के लिए स्वर्ण पदक लाना चाहती हैं। लवलीना ने ताइवान की नेन चिन चेन को 4-1 से हराकर टोक्यो ओलंपिक के 69 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बनाने के साथ ही देश के लिए कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है। लवलीना ने मुकाबले के बाद वर्चुअल प्रेस वार्ता में, मैं कांस्य पदक पर रूकना नहीं चाहती हूं। मैं देश के लिए स्वर्ण पदक लाना चाहती हूं। पदक एक ही होता है, वो है स्वर्ण। इसके लिए मुझे सेमीफाइनल मुकाबले को लेकर तैयारी करनी होगी। लवलीना ने अपने अगले मैच को लेकर कहा, मैंने फिलहाल कोई रणनीति नहीं बनाई है। मैंने अपने प्रतिद्वंद्वी के कुछ वीडियो देखे हैं लेकिन मुझे उनके मुकाबले देखकर ही कुछ रणनीति तैयार करनी होगी। चिन चेन के खिलाफ मुकाबले को लेकर उन्होंने कहा, मेरे लिए चुनौती थी कि मैं खुद को कैसे

मुरलीधरण ने टी-20 विश्व कप के लिए युजी चहल की बजाय इस स्पिनर को माना उपयुक्त

नई दिल्ली । भारतीय टीम टी-20 विश्व कप से पहले श्रीलंका के दौरे पर गई जहां छह मैच खेले गए। भारत ने एकदिवसीय सीरीज तो जीत ली लेकिन महत्वपूर्ण टी-20 सीरीज में उन्हें 1-2 से हार झेलनी पड़ी।सीरीज के दौरान दोनों टीमों के स्पिनर्स ने शानदार प्रदर्शन किया। अब श्रीलंका के दिग्गज स्पिनर मुरलीधरण ने आगे आकर भारत के लिए टी-20 विश्व कप के लिए सबसे उपयुक्त स्पिनर का नाम लिया है। उन्होंने कुलदीप यादव को उपयुक्त गेंदबाज बताया है। मुरलीधरण ने कहा कि भारत के लिए, मैं इस आईपीएल का इंतजार करूंगा और देखूंगा कि यह यूएई में स्पिनर्स कैसा प्रदर्शन करते हैं। कौन कैसी फॉर्म में चल रहा है। मेरी पसंद कुलदीप यादव होंगे क्योंकि उन्होंने खुद को एक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में साबित किया है। पूर्व महान गेंदबाज ने कहा कि आईपीएल अभी बाकी है और यह गेंदबाजों के आईपीएल कार्यकाल पर भी बहुत कुछ निर्भर करेगा। आईपीएल 2021 का दूसरा चरण सितंबर-अक्टूबर में यूएई में होगा और टी-20 विश्व कप शुरू होने से ठीक पहले समाप्त होगा। मुरलीधरन ने वरुण चक्रवर्ती पर बात करते हुए कहा कि वह अच्छे गेंदबाज हैं, भारत के लिए और आईपीएल टीम के लिए अच्छे विकल्प हैं। मुझे अब भी लगता है कि वह अजंता मेंडिस या सुनील नरेन के स्तर की तरह नहीं हैं, वह बल्लेबाजों को मंत्रमुग्ध नहीं कर रहा है। वैसे वह अच्छा प्रदर्शन करता है।

पीएम राज्य के ४.२५ लाख परिवारों को अनाज किट वितरित करेंगे

एनएफएसए अंतर्गत लगभग ७२ लाख परिवारों को प्रति व्यक्ति५ किलो अनाज दिलाने के लिए शुभारंभ किया जाएगा

अहमदाबाद ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी १७ हजार से अधिक सरकार मान्य सस्ते अनाज की राशन की दुकानों से सवा चार लाख गरीब, अंत्योदय लाभार्थियों को प्रति लाभार्थी ५ किलो अनाज के किट का वितरण करेंगे । वे पांच जिलों के ५ राशन की दुकानों पर लाभार्थियों के साथ सीधा संवाद भी करेंगे । इसके अलावा एनएफएसए अंतर्गत लगभग ७२ लाख परिवारों को प्रति व्यक्ति ५ किलो अनाज दिलाने के लिए शुभारंभ किया जाएगा । इसके साथ ही गृहमंत्री अमित शाह राज्य में ७ अगस्त को ३९०६ करोड़ के विभिन्न प्रोजेक्ट का लोकार्पण और भूमिपूजन करेंगे । देश के गृहमंत्री अमित शाह वर्चुअल मौजूदगी में महात्मा मंदिर, गांधीनगर से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन और शुभारंभ करेंगे । वे विकास के दिन वतनप्रेम योजना का भी शुभारंभ करने वाले है । प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण अंतर्गत ३८२ करोड़ २५ हजार आवास का लोकार्पण और ७०३ करोड़ के ४६ हजार आवास का भूमिपूजन करेंगे । आईटीआई के २४५ करोड़ के विभिन्न कामों का लोकार्पण करेंगे । राज्य के १०० प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों तथा ५१ उच्च शिक्षा कार्यक्रमों सहित कुल १५१ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । इसके अलावा ज्ञानकुंज प्रोजेक्ट अंतर्गत १३५ करोड़ रुपए खर्च से तैयार किए गए ३६५९ स्कूलों को स्मार्ट क्लास का भी लोकार्पण किया जाएगा । ९५ करोड़ रुपए खर्च से तैयार हुए १०५० स्कूलों के और १० करोड़ २६ लाख रुपए खर्च से तैयार हुए ७१ पंचायत घर, ४ करोड़ ८० लाख के खर्च से तैयार किए गए धोलका और नवसारी तालुका पंचायत मकान का लोकार्पण किया जाएगा । ३५ करोड़ रुपए खर्च से निर्मित २५६ माध्यमिक स्कूलों में कम्प्यूटर लैब का शुभारंभ भी किया जाएगा । वर्ल्ड बैंक की ओर से अहमदाबाद को ३ हजार करोड़ रुपए की सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की गई है । एशियन डेवलपमेंट बैंक की ओर से राजकोट के वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट की ३२८ करोड़ की ग्रांट, नगरपालिकाओं में १०० करोड़ रुपए का वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट और ग्रीन सिटी सूरत को ३८ करोड़ रुपए प्रदान किए जाएंगे ।

क्लर्क ने मैनेजर को गुंडा कहेने पर नौकरी से हाथ धो बैठा

अहमदाबाद ।

अगर बॉस से बदतमीजी से बात की तो नौकरी जा सकती है, गुजरात के एक बैंक क्लर्क के साथ यही हुआ । इस क्लर्क ने अपने बैंक मैनेजर को गुंडा कह दिया था, बैंक ने कार्रवाई की और उसे नौकरी से हटा दिया । क्लर्क महोदय कोर्ट गए लेकिन लेबर कोर्ट से लेकर गुजरात हाई कोर्ट तक ने यही कहा कि उन्हें अपने जुर्म की वाजिब सजा मिली है । यह बैंक क्लर्क हैं हर्षद दवे । २१ फरवरी २००२ को जब वह राजकोट में बैंक ऑफ इंडिया की कस्तूरबाधाम ब्रांच में पोस्टेड थे उस समय उन्होंने किसी बात पर अपने बैंक मैनेजर को सरेआम गुंडा कह दिया । मैनेजर ने उनकी शिकायत उच्चाधिकारियों से कर दी । दवे की दूसरी गलतियों और लापरवाह रवैये की भी शिकायत की गई । प्रबंधन ने दवे के खिलाफ जांच बैठाई । इसमें पता चला कि वह ग्राहकों को दिए जाने वाली नकदी कम देता था, भले ही यह १० और ५० रुपये के नोट के बराबर हो । तीसरा आरोप था कि वह रोजमर्रा के काम में बहुत लापरवाह था । चौथा आरोप था कि वह बैंक का हिसाब कभी गुजराती, कभी हिंदी और कभी अंग्रेजी में लिखता था । आरोप साबित होने पर उसे जुलाई २००३ में बर्खास्त कर दिया गया । दवे इसके खिलाफ लेबर कोर्ट गया लेकिन वहां २०११ में केस खारिज हो गया । दवे २०१२ में हाई कोर्ट गया लेकिन वहां सिंगल जज की बेंच ने २०१२ में उसकी अपील खारिज कर दी । इसके बाद डिविजन बेंच में जाने पर जब जस्टिस विनीत कोठारी और जस्टिस बीएन कारिया की बेंच ने मामले की सुनवाई की तो फैसला किया कि बर्खास्तगी सही थी । उन्होंने अपने आदेश में कहा कि जो आरोप लगाए गए हैं उनके हिसाब से दंड एकदम अनुकूल है ।

१९.५ लाख से अधिक लोगों को शराब की लत लगी हुई है

गुजरात में शराब की लत वाले लोगों की संख्या राज स्थान, जम्मू-कश्मीर और बिहार से भी अधिक है

अहमदाबाद ।

पीएम नरेंद्र मोदी के गृहराज्य गुजरात को भले ही सालों पहले ड्राई स्टेट घोषित कर दिया गया हो, लेकिन इसके बावजूद भी यहां की एक बड़ी जनसंख्या एल्कोहॉलिक बनी हुई है। नियमों के अनुसार, गुजरात में किसी भी तरह की शराब बेचने पर पाबंदी है । हालांकि इसके बावजूद में गुजरात में करीब साढ़े १९ लाख लोग नियमित तौर पर शराब का सेवन करते हैं । राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में खुद केंद्र सरकार ने इसकी जानकारी दी है । २०१९ में एम्स के द्वारा हुए नैशनल ड्रग यूज सर्वे में इकट्ठा डेटा के आधार पर केंद्रीय मंत्री ए नारायणसामी ने इस संबंध में राज्यसभा को जानकारी दी है । दी गई जानकारी के मुताबिक, गुजरात की ४.३ फीसदी आबादी को शराब की लत लगी हुई है । इस प्रतिशत को अगर संख्या में देखें तो आबादी के करीब १९ लाख ५३ हजार लोग इसमें आते हैं । गुजरात में शराब की लत वाले लोगों की संख्या राजस्थान, जम्मू-कश्मीर और बिहार से भी अधिक है ।

गुजरात में जहां करीब ४.३ प्रतिशत लोग ऐसे हैं, वहीं राज स्थान में ये प्रतिशत २.३ के आसपास है। वहीं जम्मू-कश्मीर में ४ फीसदी और बिहार में १ फीसदी लोगों को शराब की लत होने की जानकारी पता चली है । अगर पूरे देश के आंकड़ों की बात करें तो करीब १७ फीसदी लोगों को देश में शराब की लत होने का अनुमान है। सर्वे में पता चला है कि गुजरात की करीब ८ फीसदी जनसंख्या या तो शराब या तो किसी ना किसी तरह के ड्रग्स का नशा करती है। हालांकि इस सर्वे में तांबकू की लत को लेकर कोई जानकारी नहीं मिल सकी है ।

आर्थिक नुकसान की भरपाई के लिए लोगों ने बड़ी मात्रा में सोना बेचा

अहमदाबाद ।

कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन की वजह से लोगों की जेब पर मार पड़ी । आर्थिक नुकसान की भरपाई और मेडिकल खर्चे के वहन के लिए लोगों ने बड़ी संख्या में सोना बेचा । इंडिया बुलियन एंड जूलर्स असोसिएशन के अनुसार इस साल अप्रैल से जून के बीच कोविड की दूसरी लहर के दौरान १११.५ मीट्रिक टन सोना बेचा गया । इसमें भी गुजरात सबसे आगे रहा, जहां २२ मीट्रिक टन या कुल का २० प्रतिशत सोना बेचा गया । हरेश आचार्य ने कहा, लॉकडाउन की वजह से आर्थिक नुकसान से आय पर असर पड़ा । लोगों की नौकरी छूट गई या फिर इनकम के साधन पर असर पड़ा । ऐसे में अपनी आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए कई लोगों ने सोना या जूलरी बेच दी । देश भर में हुई सोने की बिक्री का २० प्रतिशत हिस्सा गुजरात से ही हुआ । वर्ल्ड गोल्ड काउन्सिल के अनुसार सोने की बिक्री अनुमान से कहीं अधिक हुई है । ह्यूष्ट के भारत के मैनेजिंग डायरेक्टर सोमासुंदरम पी आर ने कहा, कोरोना काल में लोगों ने अपनी जरूरत या फिर मेडिकल खर्चे के वहन के लिए सोना बेचा । कीमत में बढ़ोत्तरी से भी कई लोगों ने प्रॉफिट बुकिंग के लिए गोल्ड बेच दिया । गोल्ड डिमांड ट्रेंड की रिपोर्ट के अनुसार, कोविड की दूसरी लहर ने ग्रामीण भारत में इनकम को प्रभावित किया । ग्रामीण इलाके के उपभोक्ताओं ने भी बड़े पैमाने पर गोल्ड बेचा । लोगों पर आर्थिक मार पड़ी और मेडिकल के खर्च के लिए भी सोने को बेचा । इसके साथ ही रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल से जून के बीच दूसरी लहर के दौरान गोल्ड रिसाइक्लिंग में ३३ प्रतिशत की बढ़ोत्तरी देखने को मिली । सोमासुंदरम ने बताया, गोल्ड को बेचने के अलावा गोल्ड लोन में भी बढ़ोत्तरी देखने को मिली । उन्होंने बताया, गोल्ड के साथ लोगों की भावनाएं जुड़ी होती हैं । इसलिए कई लोगों ने बेचने की बजाए गोल्ड लोन ले लिया । गोल्ड की कीमत अधिक होने की वजह से रिटर्न भी बढ़िया मिला ।

आठ महानगरों में आज से रात्रि कर्फ्यू में और एक घंटे की छूट

सार्वजनिक समारोहों में 200 के बजाय 400 व्यक्तियों के शामिल होने की छूट

अहमदाबाद।

राज्य के अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, सूरत, भावनगर, राजकोट, जूनागढ़ और जामनगर समेत 8 महानगरों में कल से रात्रिकालीन कर्फ्यू में एक और घंटे की ढील दी गई है7 मुख्यमंत्री विजय रूपाणी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कोर कमेटी की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। इन निर्णयों के अनुसार राज्य के 8 महानगरों में फिलहाल लागू कर्फ्यू की समय सीमा को 31 जुलाई से एक घंटा कम कर दिया गया है। इन 8 महानगरों में वर्तमान में लागू रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक के रात्रि कर्फ्यू में एक घंटे की छूट दी गई है।

जिसके हिसाब से 31 जुलाई से रात 11 से सुबह 6 बजे तक का रात्रि कर्फ्यू रहेगा। इन आठ महानगरों में होटल और रेस्टोरेंट रात 10 बजे तक खुले रखे जा सकेंगे। राज्य में अभी खुले स्थान में सार्वजनिक समारोहों के आयोजन पर जो 200 लोगों की सीमा है, उसे 31 जुलाई से बढ़ाकर 400 व्यक्ति कर दिया गया है। ऐसे कार्यक्रम यदि बंद हॉल में आयोजित किए जाते हैं तो कुल बैठक की 50 फीसदी लेकिन अधिकतम 400 व्यक्ति की सीमा में आयोजित किए जा सकेंगे। इस दौरान कोरोना संक्रमण नियंत्रण के नियमों का संपूर्ण पालन करना होगा। आज हुई कोर कमेटी की बैठक में पूरे राज्य में आगामी गणेशोत्सव के त्योहार के दौरान सार्वजनिक गणेशोत्सव के आयोजन में अधिक से अधिक 4 फुट ऊंची गणेश प्रतिमा रखने की मंजूरी देने का निर्णय लिया गया है।

एस.डी.जैन मॉडर्न स्कूल के विद्यार्थियों का फिर एक बार 12 सीबीएसई बोर्ड में उत्कृष्ट परिणाम

सूरत भूमि, सूरत।

सूरत स्थित सुप्रसिद्ध सा स्कूल एस.डी. जैन मॉडर्न स्कूल के विद्यार्थियों ने कक्षा 12 बोर्ड सीबीएसई में सर्वश्रेष्ठ परिणाम लाकर और सूरत की सभी सीबीएसई स्कूलों ने भी अच्छा परिणाम दिखाया है और फिर एक बार सभी रिकॉर्ड तोड़ कर स्कूल और सूरत शहर का नाम रोशन किया है। इस स्कूल में IIT, JEE, GUJCET परीक्षा तथा विविध प्रकार की कल्चरल और खेलकूद की स्पर्धाओं में भी श्रेष्ठ है। सामान्य प्रवाह में 100% परिणाम प्राप्त हुआ है।

कक्षा 12 के कुल 293 विद्यार्थियों में से 283 विद्यार्थियों ने 75% से भी ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं और 135 विद्यार्थियों ने 90% से भी ज्यादा अंक प्राप्त किए हैं। यह विद्यालय पिछले सभी रिकॉर्ड को तोड़कर बहुत ही बड़ी प्रसिद्धि प्राप्त की जिसके बदले विद्यालय के चेयरमैन श्री कैलाशजी जैन और विद्यालय के इन.आचार्य चेतन दालवाला विद्यार्थियों के अद्भुत परिणाम के बदले विद्यार्थियों को और अभिभावक मंडल को और शिक्षक गण को खूब-खूब अभिनंदन देते हैं और विद्यार्थी अपने जीवन में और की सिद्धियां प्राप्त करें ऐसी शुभकामनाएं दी।

वनप्लस शहर में पहले वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर्स के लॉन्च के साथ सूरत में अपनी ऑफलाइन उपस्थिति का विस्तार करेगा

सूरत ।

वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांड वनप्लस ने घोषणा की कि वह सूरत में अपना पहला वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर लॉन्च कर रहा है। नए वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर्स की शुरुआत के साथ, ब्रांड का लक्ष्य शहर में अपने रिटेल फुटप्रिंट का विस्तार करना है।

ये अत्याधुनिक वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर द ग्रैंड प्लाजा, वीआईपी रोड पर स्थित हैं और लगभग 1400 वर्ग फुट में फैले हुए हैं। सूरत के ग्राहक अब नए लॉन्च किए गए वनप्लस नॉर्ड टू, वनप्लस बड्स प्रो के साथ-साथ वनप्लस टीवी युवंस सहित ब्रांड की हर उत्पाद श्रृंखला तक सीधे पहुंच सकेंगे, जिससे यह शहर में उपभोक्ताओं के लिए एक प्रीमियम खुदरा अनुभव बन जाएगा।

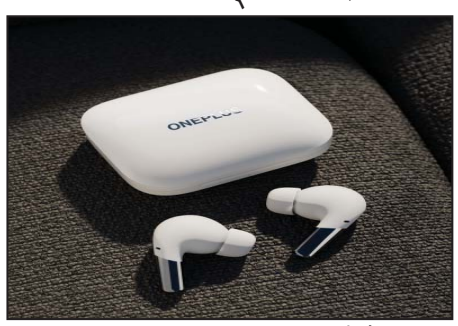

नए वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर अपनी ऑफलाइन उपस्थिति बढ़ाने के ब्रांड के प्रयास का हिस्सा हैं और ग्राहकों के लिए एक अतिरिक्त रिटेल टचपॉइंट बनाया है, जो उन्हें ब्रांड के करीब लाता है। मेट्रो शहरों से परे अपनी प्रीमियम रिटेल उपस्थिति का विस्तार करने के लिए, वनप्लस का लक्ष्य देश भर में ऑफलाइन-आधारित ग्राहकों के लिए एक वैश्विक प्रीमियम ब्रांड अनुभव लाना है।

2020 में, वनप्लस ने इस साल भारत में ऑफलाइन विस्तार के लिए 100 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की। इसके बाद, वनप्लस इस साल के आने वाले महीनों में पार्टनर स्टोर सहित 12,000 से अधिक ऑफलाइन स्टोर्स में अपने रिटेल फुटप्रिंट का विस्तार कर रहा है। इसके अलावा, वनप्लस की योजना इस साल 100 से अधिक अनुभव केंद्र लॉन्च करने की है।

नए वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर्स के लॉन्च को संबोधित करते हुए, वनप्लस इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, "सूरत में वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर्स का लॉन्च भारत में मेट्रो शहरों से परे अपनी ऑफलाइन उपस्थिति का विस्तार करने के लिए हमारी विकास प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाता है। ब्रांड के अत्याधुनिक उत्पादों को सूरत में लाकर, अत्याधुनिक स्टोर्स का लक्ष्य हमारे समुदाय को बेहतरीन प्रीमियम अनुभव प्रदान करना है और यहां हमारे उपयोगकर्ताओं के लिए वनप्लस उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला लाना है।"

कर्मचारी-पेंशनभोगियों को एरिअर्स के साथ ३ महीने का महंगाई भत्ता

अक्टूबर २०१९ से दिसंबर २०१९ तक के शेष ३ का बकाया था, जो अब उन्हें अगले महीने की सैलरी में दिया जा रहा है

अहमदाबाद ।

गुजरात सरकार ने राज्य के ९ लाख ६१ हजार से अधिक अधिकारी/कर्मचारी एवं पेंशनभोगियों को अक्टूबर २०१९ से दिसम्बर २०१९ तक तीन माह की महंगाई भत्ता एरिअर्स के साथ दिया जाने का फैसला किया है । कर्मचारियों के लिए खुशी की बात यह है कि यह पैसा उन्हें आगामी माह यानी की अगस्त की सैलरी में दिया जाएगा । यह ऐलान करते हुए उपमुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि राज्य के ९ लाख ६१ हजार से अधिक अधिकारियों/कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का अक्टूबर २०१९ से दिसम्बर २०१९ तक का ५ प्रतिशत महंगाई भत्ता बाकी था, जो अब उन्हें दिया जा रहा है । इससे राज्य सरकार के कुल ५,११,१२९ कर्मचारी और ४,५०,५०९ पेंशनभोगी लाभान्वित होंगे । १ जुलाई २०१९ से ३१ दिसंबर २०१९ तक राज्य के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को कुल ६ महीने के महंगाई भत्ते के अंतर का भुगतान करने का निर्णय लिया गया । इसमें से जुलाई २०१९ से सितंबर २०१९ तक की राशि का भुगतान किया गया था । अक्टूबर २०१९ से दिसंबर २०१९ तक के शेष तीन का बकाया था, जो अब उन्हें अगले महीने की सैलरी में दिया जा रहा है । नितिन पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के साथ हुई चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया है । कोरोना के कारण आई मंदी के चलते कर्मचारियों का तीन महीनों का महंगाई भत्ता नहीं दिया जा सका था, जो अब दिया जा रहा है । इन भुगतानों से राज्य सरकार पर लगभग ४६४ करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)